

सम्पादकीय



मजबूत राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति

राष्ट्रीय एकता किसी भी देश की प्राप्ति, समृद्धि और सुरक्षा का आधार होती है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में इसका महत्व और भी बड़ जाता है। अनेक धर्मों, भाषाओं, संस्कृतियों, परंपराओं और रीति-रिवाजों के बावजूद भारतीयों को एक सूत्र में बांधने वाली भावना ही हमारी राष्ट्रीय एकता की पहचान है। प्रत्येक वर्ष 31 अक्टूबर को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय एकता दिवस हमें इसी भावना को मजबूत करने और राष्ट्र की अखंडता के प्रति अपने दायित्वों को याद करने का अवसर प्रदान करता है। यह दिवस भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री और गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, जिन्होंने देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई।

स्वातंत्रता प्राप्ति के समय भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक विभिन्न रियासतों का एकीकरण था। सरदार वल्लभभाई पटेल ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति, दूरदर्शिता और कुशल नेतृत्व के माध्यम से अनेक रियासतों को भारतीय संघ में शामिल कराने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके प्रयासों ने एक संगठित और मजबूत भारत के निर्माण की नींव रखी। इसी कारण उन्हें ‘लौह पुरुष’ के नाम से सम्मानित किया जाता है। राष्ट्रीय एकता दिवस उनके योगदान को स्मरण करने के साथ-साथ यह समझने का भी अवसर है कि राष्ट्र की मजबूती के लिए एकजुटता, आपसी विश्वास और साझा उद्देश्य कितने आवश्यक हैं।

आज के दौर में राष्ट्रीय एकता का अर्थ केवल देश की भौगोलिक सीमाओं की रक्षा करना नहीं है। इसका संबंध सामाजिक समरसता, आर्थिक समान अवसर, न्याय, शिक्षा, नागरिक अधिकारों और प्रत्येक व्यक्ति के सम्मान से भी है। देश का कोई भी नागरिक यदि भेदभाव, असमानता या उधेसा का अनुभव करता है, तो समावेशी विकास का लक्ष्य अधूरा रह जाता है। एक मजबूत राष्ट्र वही होता है, जहां प्रत्येक नागरिक को आगे बढ़ने का अवसर मिले और वह स्वयं को देश की प्रगति का महत्वपूर्ण भागीदार समझे।

वर्तमान समय में सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों ने सूचनाओं के आदान-प्रदान को सरल बनाया है, लेकिन इनके माध्यम से अफवाहें, भ्रामक सूचनाएं और समाज में वैमनस्य फैलाने वाली सामग्री भी तेजी से प्रसारित हो सकती है। ऐसे में प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है कि किसी भी सूचना को बिना जांचे-परखे साझा न करे। असहमति लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है, लेकिन असहमति को दुश्मनी में बदलने से बचना भी उतना ही जरूरी है। संवाद, विवेक और परस्पर सम्मान के माध्यम से ही समाज में विश्वास का वातावरण कायम रखा जा सकता है।

भारत-चीन सीमा पर फिर बढ़ता तनाव राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती

कांतिलाल मांडोट

भारत-चीन सीमा पर तनाव

भारत-चीन सीमा पर तनाव

भारत और चीन के बीच सीमा विवाद एक बार फिर गंभीर चिंता का विषय बनता दिखाई दे रहा है। अरुणाचल प्रदेश में भारतीय और चीनी सैनिकों के आमने-सामने आने की खबरों ने राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर नई बहस छेड़ दी है। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के महानिदेशक शत्रुजीत कर्पू की ओर से अरुणाचल प्रदेश में कई स्थानों पर टकराव की स्थिति बने रहने की पुष्टि इस मामले की गंभीरता को रेखांकित करती है। सीमा पर शांति और स्थिरता की उम्मीदों के बीच तनाव का देखाव उपरना बताया है कि चीन के साथ संबंधों में विश्वास कायम करना अभी भी बड़ी चुनौती है। सितंबर में दोनों देशों के बीच उच्चस्तरीय बातचीत होने के बावजूद सीमा पर गतिरोध का बने रहना कई सवाल खड़े करता है।

भारत और चीन एशिया की दो बड़ी शक्तियां हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार, कूटनीति और क्षेत्रीय स्थिरता से जुड़े अनेक विषय हैं, लेकिन सीमा विवाद द्विपक्षीय संबंधों को बार-बार प्रभावित करता रहा है। चीन की विस्तारवादी नीतियों और सीमावर्ती क्षेत्रों में उसकी गतिविधियों को देखते हुए भारत के लिए सतर्क रहना आवश्यक है। किसी भी देश के साथ अच्छे संबंध स्थापित करने का अर्थ यह नहीं हो सकता कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े प्रश्नों की अनदेखी की जाए। मित्रता और सहयोग की संभावनाएं तभी मजबूत होती हैं, जब दोनों पक्ष एक-दूसरे की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करें। अरुणाचल प्रदेश के अगर सुबनसिरी जिले में स्थित सीमावर्ती क्षेत्र तकसिंग में इस वर्ष जुलाई के अंतिम सप्ताह में भारतीय और चीनी सैनिकों के आमने-सामने आने की जानकारी सामने आई।

इसके बाद अगस्त में चीनी सैनिकों की गतिविधियां बढ़ने और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तैबू लगाए जाने की खबरों ने चिंता बढ़ाई। उपलब्ध विवरणों के अनुसार, कुछ तंबू वास्तविक नियंत्रण रेखा से लगभग छह से सात किलोमीटर भीतर लगाए जाने की बात कही गई है। हालाँकि, ऐसे दावों और वास्तविक स्थिति का आकलन आधिकारिक तथ्यों के आधार पर किया जाना चाहिए। सीमा पर तैनात जवानों की गतिविधियों, गस्त के अधिकारों और वास्तविक नियंत्रण रेखा की स्थिति को लेकर स्पष्टता राष्ट्रीय हित में आवश्यक है।

भारतीय सेना ने सीमावर्ती चौकियों पर चीनी कब्जे के आरोपों को खारिज किया है। इसके बावजूद कुछ पारंपरिक गश्ती क्षेत्रों तक पहुंच बाधित होने की शिकायतें चिंता पैदा करती हैं। सीमा पर किसी चौकी का नियंत्रण सुरक्षित होना महत्वपूर्ण है, लेकिन निर्धारित क्षेत्रों में नियमित गस्त सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। वास्तविक नियंत्रण रेखा को लेकर दोनों देशों की धारणाओं में अंतर लंबे समय से विवाद का कारण रहा है।

ऐसी परिस्थितियों में यदि एक पक्ष अपनी गतिविधियों के माध्यम से दूसरे पक्ष की गश्ती को प्रभावित करता है, तो अविश्वास और तनाव बढ़ना स्वाभाविक है। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के महानिदेशक ने पुराने हथियारों और सैन्य संसाधनों के आधुनिकीकरण की आवश्यकता की ओर भी ध्यान दिलाया है। उनके अनुसार, सीमा सुरक्षा बल के पास कुछ हथियार लगभग पचास वर्ष पुराने हैं, जबकि चीन ने अपने सैन्य ढांचे और हथियारों के आधुनिकीकरण पर भारी निवेश किया है।

यह स्थिति बताती है कि आधुनिक युद्ध की चुनौतियों का सामना करने के लिए केवल जवानों की बहादुरी पर्याप्त नहीं है। अत्याधुनिक हथियार, निगरानी प्रणाली, संचार सुविधाएं, सड़कें, पुल और दुर्गम क्षेत्रों तक पहुंचने के साधन भी उतने ही जरूरी हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे को मजबूत करना भारत की सामरिक तैयारी का महत्वपूर्ण हिस्सा होना चाहिए। भारत और चीन के बीच सीमा मामलों को लेकर सैन्य और कूटनीतिक स्तर पर बातचीत जारी है।

व्यक्ति के विचार

व्यक्ति अपने आप को बांधा हुआ समझता है व्यक्ति अपने आप को अकेला भी नहीं करना चाहता और परिवार के साथ रहता है तो वह अपने आप को बांधा हुआ भी महसूस करता है, क्योंकि व्यक्ति के भावात्मक विचार होते हैं जो समय-समय पर बदलते हैं असल में कोई भी व्यक्ति अकेला नहीं रहना चाहता है। सबको एक परिवार की जरूरत होती है।



करिश्मा गुज्जर (खारी)

डा. जयन्तीलाल भंडारी

हाल ही में 21 अक्टूबर को अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि भारत और अर्थिक उदारीकरण के बाद से लेकर 2016 अमरीका एक नए व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के बेहद करीब हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट किया कि दोनों देश समझौता करने के इच्छुक हैं और यह नया सौदा पिछले सभी द्विपक्षीय समझौतों से काफी अलग होगा। ट्रंप का यह बयान अमरीकी विदेश मंत्री माको रूबियो के हालिया भारत दौर के दौरान आया। माकों ने 20 से 22 अक्टूबर के बीच भारत दौर के दौरान भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अन्य शीर्ष नेताओं के साथ व्यापार, ऊर्जा, तकनीक और रक्षा सहयोग के मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। रूबियो ने रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के जामनगर संयंत्र का दौरा किया और भारत की सप्त अनूठी रिफायनिंग क्षमता की सरहना की। रूबियो ने यह भी कहा कि भारत-अमरीकी व्यापार वार्ता अब अंतिम और तकनीकी स्तर पर पहुंच चुकी है। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ दशकों में वैश्विक भू-राजनीतिक और आर्थिक मानचित्र पर भारत और अमरीका के संबंध एक अत्यंत महत्वपूर्ण और रणनीतिक साझेदार के रूप में उभरे थे, लेकिन वर्तमान परिदृश्य में ये संबंध अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई आर्थिक नीतियों, संरक्षणवादी दृष्टिकोण और सख्त टैरिफ रणनीति के कारण एक चुनौतीपूर्ण और संवेदनशील मोड़ पर खड़े दिखाई दे रहे हैं।

आज भारत के साथ एक तरफ अमरीकी बाजार में अपने मजबूत न्याय को सुरक्षित रखने की चुनौती है, तो दूसरी तरफ रूस से रियायती दरों पर अपनी ऊर्जा जरूरतों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने का रणनीतिक संतुलन साधने का दबाव है। इस खींचतान के बीच हालिया अमरीकी नीतिगत फैसले, वीजा नियमों में अत्यधिक सख्ती, जेनेरिक दवाओं पर प्रस्तावित शुल्क की चुनौतियों के बावजूद अमरीका के राष्ट्रपति ट्रंप और विदेश मंत्री रूबियो की हालिया सकारात्मक टिप्पणियों से

.....

विचार

अमरीका से व्यापार समझौते की उम्मीद

भारत और अमरीका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौता (बीटीए) एक नई पटकथा के साथ उभरते हुए दिखाई दे रहा है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि 1991 के आर्थिक उदारीकरण के बाद से लेकर 2016 तक भारत और अमरीका के बीच व्यापारिक और आर्थिक संबंधों में एक प्रभावी दैर देखने को मिला। वर्ष 2000 में दोनों देशों के बीच

के दर्जे से गहरा रणनीतिक बल मिला। रक्षा, व्यापार और प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण के नए पटकथा के साथ-साथ भारतीय सूचना इसमें कोई दो मत नहीं है कि 1991 के आर्थिक उदारीकरण के बाद से लेकर 2016 तक भारत और अमरीका के बीच व्यापारिक और आर्थिक संबंधों में एक प्रभावी दैर देखने को मिला। वर्ष 2000 में दोनों देशों के बीच



वस्तुओं एवं सेवाओं का द्विपक्षीय व्यापार लगभग 6 गुना बढ़कर अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान अमरीकी बाजार में भारतीय आईटी सेवाओं, फार्मास्युटिकल, इन्फो, कंपड़ों और रत्नों की मांग में जबरदस्त इजाफा हुआ, जिससे भारत की आर्थिक साख वैश्विक स्तर पर स्थापित हुई।

इस आर्थिक प्रगति को 2008 के ऐतिहासिक असेंय परमाणु समझौते और 2016 में भारत को मिले मेजर डिफेंस पार्टनर

के दर्जे से गहरा रणनीतिक बल मिला। रक्षा, व्यापार और प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण के नए पटकथा के साथ-साथ भारतीय सूचना इसमें कोई दो मत नहीं है कि 1991 के आर्थिक उदारीकरण के बाद से लेकर 2016 तक भारत और अमरीका के बीच व्यापारिक और आर्थिक संबंधों में एक प्रभावी दैर देखने को मिला। वर्ष 2000 में दोनों देशों के बीच

इस दौरान एच-1बी वीजा नीति ने भारतीय कुशल पेशेवरों को अमरीका में कार्य

के दर्जे से गहरा रणनीतिक बल मिला। रक्षा, व्यापार और प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण के नए पटकथा के साथ-साथ भारतीय सूचना इसमें कोई दो मत नहीं है कि 1991 के आर्थिक उदारीकरण के बाद से लेकर 2016 तक भारत और अमरीका के बीच व्यापारिक और आर्थिक संबंधों में एक प्रभावी दैर देखने को मिला। वर्ष 2000 में दोनों देशों के बीच

इस आर्थिक प्रगति को 2008 के ऐतिहासिक असेंय परमाणु समझौते और 2016 में भारत को मिले मेजर डिफेंस पार्टनर

कसे और वैश्विक पहचान बनाने के पर्याप्त अवसर प्रदान किए। निवेश के दृष्टिकोण से भी यह दौर बेहद समृद्ध रहा, जहां 2000 से 2016 के बीच माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, जीई, आईबीएम और बोइंग जैसी शीर्ष अमरीकी कंपनियों ने भारत के तकनीक, इंफ्रास्ट्रक्चर, ऑटोमोबाइल और रक्षा क्षेत्रों में भारी प्रत्यक्ष निवेश यानी एफडीआई किया। साथ ही भारतीय कंपनियों ने भी अमरीकी बाजार में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। ट्रंप

.....

हुकमरानों के माथे पर कड़कती बिजली!

कि वे अपने घर पहुंचने लायक अपनी कार में तेल भरवा सकें। 90 लाख लोग गरीबी में जी रहे हैं। छात्रों को एक यूरो कीमत वाले भोजन के लिए कतारों में खड़े होना पड़ रहा है।'

फ्रांस में सितंबर से शुरू हुए आंदोलन के बारे में मसहूर अर्थशास्त्री थॉमस पिकेटी ने लिखा- 'युवा केवल एक ही चीज मांग रहे हैं: शिक्षा तक पहुंच और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के लिए पर्याप्त संसाधन। नव-उदारवादी संस्करण ने जनता के बीच ऐसे विभाजन पैदा कर दिए हैं, जिनके परिणामों से अब यह व्यवस्था नहीं बच सकती। फिलहाल, ये परिणाम उथल-पुथल के रूप में हैं, लेकिन ऐसे ही हालात से कुछ नया बनने की सूरत भी पैदा होती है।' 'हम इतिहास के एक महान पल से गुजर रहे हैं। दुनिया के हर कोने में इस समय छत्र आंदोलन हो रहे हैं!... नव-उदारवाद ने हर जगह सार्वजनिक सेवाओं और श्रमिकों की उपलब्धियों को तबाह कर दिया है और आम जन के लिए असहनीय स्थिति पैदा कर दी है।'

ऐसे आंदोलन तब होते हैं, जब दुनिया भर में आबादी के विशाल बहुमत से अपने दम पर कामयाब होने की उम्मीद छिन ली जाती है। 'फ्रांस और दुनिया के अनेक देशों में इस समय युवा/जन आंदोलन से मची उथल-पुथल के बीच यह टिप्पणी फ्रांस की प्रमुख वामपंथी पार्टी 'अदम्य फ्रांस' के नेता जून्-लुके मेलेंगरी ने की। तमाम देशों में जारी आंदोलनों के बीच दुनिया का सबसे ज्यादा ध्यान फ्रांस पर केंद्रित हुआ है। फ्रांस में भड़के जन असंतोष के कारणों का जिक्र करते हुए मेलेंगरी ने कहा- 'लोग भूखे हैं। लोगों में इतनी क्षमता नहीं बची

संपत्ति का कुल योग- जिसमें से निजी और सार्वजनिक ऋण घटा दिए गए हों- तो इतनी अधिक कभी नहीं रही, जितनी आज है।'

मतलब यह कि फ्रांस पहले कभी इतना अमीर नहीं रहा। अर्थात समस्या केवल वितरण से संबंधित है। पिकेटी के अनुसार 1945 में स्थिति कहीं अधिक कठिन थी, जब शिक्षा तक पहुंच और गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के लिए पर्याप्त संसाधन। यह आंदोलन शायद मौजूदा प्रशासन की सबसे गंभीर विफलताओं को उजागर करता है। यानी, वह विनाशकारी और अभूतपूर्व स्थिति, जिसमें 2017 से प्रति छत्र बजट में 20 प्रतिशत की कमी आई है।' पिकेटी ने लिखा- शिक्षा के लिए धन के अभाव और प्रति छत्र औसत खर्च में आई कमी को जायज ठहराने के लिए सरकार और उसके समर्थक तर्क देते हैं कि फ्रांस अब और अधिक निवेश का बोझ नहीं उठा सकता। इसके पक्ष में वे फ्रांस की सरकार पर बड़े कर्ज का हवाला देते हैं। लेकिन वे दो बातें छिपा जाते हैं- सार्वजनिक ऋण वास्तव में 1970 से सकल घरेलू उत्पाद के 20 फीसदी से बढ़कर आज 120 फीसदी जरूर हो गया है, लेकिन सरकार ही निजी संपत्ति में उससे कहीं अधिक नाटकीय वृद्धि हुई है: यह जीडीपी के 300 प्रतिशत से बढ़ कर 600 प्रतिशत हो गई है, जिसमें सबसे अमीर लोगों की वित्तीय संपत्तियां सबसे ज्यादा बढ़ी हैं। दूसरे शब्दों में, फ्रांस की राष्ट्रीय संपत्ति यानी निजी और सार्वजनिक

.....

देश के खिलाफ तो न लड़े विपक्ष

कुछ विदेशी ताकतें भारत की प्रगति से ईर्ष्या करती हैं और वे भारत के खिलाफ साजिशें कर रही हैं। निश्चित रूप से पहले भी सरकारें विदेशी ताकतों से मिले होने के आरोप भी लगाती थीं। लेकिन पहले कभी विपक्ष का रवैया इतने प्रत्यक्ष रूप से विदेशी नैरेटिव से मिलता हुआ नहीं दिखता था। इसे कई बातों में स्पष्ट देखा जा सकता है। यह सिर्फ संयोग नहीं हो सकता कि अमेरिका के राष्ट्रपति ने भारत की अर्थव्यवस्था को 'डेड इकोनॉमी' कहा और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने उस बात को जस का तस दोहरा दिया। जिस देश की अर्थव्यवस्था सात फीसदी की रफ्तार से बढ़ रही हो क्या उसे 'डेड इकोनॉमी' नहीं कहा जा सकता है। राहुल गांधी भी इस बात को जानते हैं। हाल ही में विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष दोनों ने भारत की अर्थव्यवस्था सात फीसदी की रफ्तार से बढ़ रही हो क्या उसे 'डेड इकोनॉमी' नहीं कहा जा सकता है। राहुल गांधी भी इस बात को जानते हैं। हाल ही में विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष दोनों ने भारत की अर्थव्यवस्था की दर का अनुमान सुधारा और सात फीसदी किया। बाते हफ्ते हुए तीन कार्यक्रम और उनसे निकले संदेश बहुत अहम हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी आरएसएस की स्थापना के शताब्दी वर्ष के समापन समारोह में संघ प्रमुख मोहन भागवत के भाषण से एक विशेष विमर्श आरंभ हुआ। उसी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उस विमर्श को और आगे बढ़ाया। बाद में एक मीडिया समूह के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने इस विमर्श को इसके सभी आयामों के साथ देश के नागरिकों के सामने रखा। इस विमर्श की सबसे अहम बात यह है कि विपक्ष यानी कांग्रेस, राहुल गांधी और अन्य नेता देश के खिलाफ लड़ रहे हैं और उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए।

ऐसा लग रहा है, जैसे विपक्ष भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लड़ते लड़ते देश के खिलाफ लड़ने लगा है। विपक्ष के नेताओं ने पहले केंद्रीय एजेंसियों की साख पर सवाल उठाए और अब सभी वैधानिक व सवैधानिक संस्थाओं की गरिमा गिराने का काम किया जा रहा है। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि

है। यह कितनी बड़ी बात है कि विपक्ष के एक सांसद ने अल्बानिया का सुप्रीम कोर्ट जताए जाने का पुराना वीडियो शेयर किया। क्या यह देश की न्यायपालिका को दबाव में लाने का प्रयास नहीं है? यह भी क्या संयोग है कि कांग्रेस पार्टी की एक प्रदेश कमेटी के सोशल मीडिया हैंडल से और तुयामूल कांग्रेस की एक सांसद के हैंडल से सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस का नाम लेकर अरम्भमानजनक टिप्पणी की गई? विपक्षी पार्टियां सत्तारूढ़ दल से लड़ने और सरकार की नीतियों पर सवाल उठाने की बजाय 'रिजोम चेंज' की बात कर रही हैं। क्या 'रिजोम चेंज' जैसी शब्दावली का इस्तेमाल संयोग है?

इन सबसे जाहिर है कि विपक्षी पार्टियां अपनी प्रतिद्वंद्वी पार्टी यानी भाजपा से सिर्फ राजनीतिक लड़ाई नहीं लड़ रही हैं, बल्कि उनकी लड़ाई अब देश और देश की संस्थाओं से भी हो गई है। इसी बात की ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इशारा किया। उन्होंने सभवार पहली बार इतने सख्त शब्दों में कांग्रेस और नेहरू गांधी परिवार के ऊपर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कब तक एक फेल्ड प्रोजेक्ट को लॉन्च करती रहेगी। प्रधानमंत्री ने तंत्र करने के अंदाज में हा कि श्रीहरिकोट प्रक्षेपण रेंज से जितनी सेटेलाइट लॉन्च नहीं होती है उतनी बार राहुल गांधी को लॉन्च किया गया। दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली रैली से एक बार फिर राहुल गांधी को

काल में शुरू हुई संरक्षणवादी नीतियों, टैरिफ और वीजा पारबंदियों से ठीक पहले तक दोनों देशों के आर्थिक रिस्ते मुक्त और रणनीतिक सहयोग की मजबूत नींव पर लगातार आगे बढ़ते रहे। ऐसे में अब अमरीका से व्यापार समझौते की संभावनाओं का सुकूनदेह परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। हाल ही में 17 अक्टूबर को अमरीकी प्रशासन द्वारा

लीडसे ग्राहम अधिनियम के तहत रूसी तेल खरीददारों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने के कठोर फैसले को 60 दिनों के लिए स्थगित करना भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ी राहत बनकर आया है। मध्य पूर्व के तनाव और यूक्रेन-रूस संघर्ष से उभजे ऊर्जा संकट के बीच अमरीकी विदेश मंत्री माकों रूबियो ने भारत की ऊर्जा जरूरतों और स्रोतों के विविधीकरण की सरहना की है। रूस से प्रतिस्पर्धी दरों पर कच्चा तेल खरीदने

लीडसे ग्राहम अधिनियम के तहत रूसी तेल खरीददारों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने के कठोर फैसले को 60 दिनों के लिए स्थगित करना भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ी राहत बनकर आया है। मध्य पूर्व के तनाव और यूक्रेन-रूस संघर्ष से उभजे ऊर्जा संकट के बीच अमरीकी विदेश मंत्री माकों रूबियो ने भारत की ऊर्जा जरूरतों और स्रोतों के विविधीकरण की सरहना की है। रूस से प्रतिस्पर्धी दरों पर कच्चा तेल खरीदने

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

कानपुर में हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा मेले का आयोजन : धार्मिक, सांस्कृतिक, सामाजिक कार्यक्रमों का होगा आयोजन

कानपुर (एजेंसी)

भारतीय संस्कृति, सनातन परंपराओं, आध्यात्मिक चेतना, सेवा और संस्कारों के व्यापक प्रसार के उद्देश्य से कानपुर में 26 से 30 नवंबर 2026 तक हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा मेले का आयोजन किया जा रहा है। बेनाझाबर स्थित बृजेंद्र स्वरूप पार्क में आयोजित होने वाले इस पांच दिवसीय मेले में धार्मिक अनुष्ठानों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, आध्यात्मिक संवाद, सामाजिक जागरूकता और सेवा कार्यों से जुड़े विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

मेले के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों को भारतीय संस्कृति और सेवा परंपरा से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। मेले में प्रतिदिन सुबह 10 बजे से रात 10 बजे तक कार्यक्रम आयोजित होंगे। आयोजन के अंतर्गत विद्यालयों एवं सामाजिक संस्थाओं की सहभागिता से सांस्कृतिक गतिविधियां, वंदन



कार्यक्रम, आध्यात्मिक आयोजन तथा सेवा कार्यों की प्रदर्शनी प्रमुख आकर्षण रहेंगे। आयोजकों के अनुसार, मेले का उद्देश्य समाज में पारिवारिक संस्कारों, सामाजिक समरसता, राष्ट्रभाव और सेवा के प्रति जागरूकता को प्रोत्साहित करना है। मेले के सांस्कृतिक कार्यक्रमों में देश के प्रसिद्ध भजन गायक कन्हैया मित्तल की प्रस्तुति विशेष आकर्षण होगी। 27 नवंबर की रात 8:30 बजे से उनकी

भजन संध्या आयोजित की जाएगी। उनके भजनों के माध्यम से श्रद्धालुओं को भक्तिमय वातावरण में सहभागी होने का अवसर मिलेगा। इसी दिन मेले का उद्घाटन समारोह, विद्यालयों के सांस्कृतिक कार्यक्रम और अन्य धार्मिक आयोजन भी निर्धारित हैं।

28 नवंबर को मेले में 'हनुमान अंश' फिल्म की टीम उपस्थित रहेगी। इस अवसर पर फिल्म से जुड़े कलाकारों की सहभागिता कार्यक्रम को

बेनाझाबर स्थित बृजेंद्र स्वरूप पार्क में आयोजित होने वाले इस पांच दिवसीय मेले में धार्मिक अनुष्ठानों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, आध्यात्मिक संवाद, सामाजिक जागरूकता और सेवा कार्यों से जुड़े विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मेले के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों को भारतीय संस्कृति और सेवा परंपरा से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा

विशेष पहचान देगी। मेले की समय-सारिणी के अनुसार इस दिन आचार्य वंदन, आध्यात्म जागरण समारोह और हिंदू कनक्लेव सहित विभिन्न सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मेले के तीसरे प्रमुख सांस्कृतिक आकर्षण के रूप में 29 नवंबर की रात प्रसिद्ध राष्ट्रवादी कवयित्री एवं गायिका अनामिका जैन अम्बर और अनन्या सिंह की टीम अपनी प्रस्तुति देगी। काव्य, संगीत और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के माध्यम से होने वाला यह कार्यक्रम मेले में आने वाले लोगों के लिए विशेष आकर्षण रहेगा। इसी दिन मातृ-पितृ वंदन, विशाल हिंदू स्मेलेशन और

हैं। इसके अतिरिक्त 15 नवंबर से स्वामी विवेकानंद रथ यात्राओं का आयोजन किया जाएगा। परिवारों में तुलसी वंदन तथा गोपाष्टमी पर गोशालाओं में गो-वंदन जैसी गतिविधियां भी पूर्व-आयोजन कार्यक्रमों में शामिल हैं।

हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा संस्थान, कानपुर के तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस मेले में सेवा कार्यों से जुड़े संगठनों की गतिविधियों को सामने लाने, भारतीय परंपराओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समाज को आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों से जोड़ने पर जोर रहेगा। आयोजन के दौरान धार्मिक-सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय संतों, विद्वानों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों की सहभागिता भी प्रस्तावित है। मेले के माध्यम से कानपुरवासियों को पांच दिनों तक आध्यात्मिक, धार्मिक, सांस्कृतिक और सेवा से जुड़े कार्यक्रमों में सहभागिता का अवसर मिलेगा।

राम मंदिर में धूमधाम से मनाई जाएगी महर्षि वाल्मीकि जयंती, दीपोत्सव की तैयारियां भी तेज : दिनेंद्र दास

अयोध्या (एजेंसी)

अयोध्या में महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर राम मंदिर परिसर में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य दिनेंद्र दास ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि मंदिर में वाल्मीकि जयंती का पर्व पूरी श्रद्धा और परंपरा के साथ मनाया जाएगा। दिनेंद्र दास ने कहा, ‘आज शाम यहां एक कार्यक्रम होगा, जिसमें ट्रस्ट के कुछ सदस्य, पुजारी, ब्राह्मण और हिंदू समाज के लोग शामिल होकर प्रार्थना करेंगे। वाल्मीकि जयंती को धूमधाम से मनाया जाएगा।’

उन्होंने बताया कि आयोजन परंपरा के अनुसार ही किया जाएगा और इसमें सभी लोगों की भागीदारी रहेगी। महर्षि वाल्मीकि जयंती के साथ ही अयोध्या में दीपावली और दीपोत्सव की तैयारियों को लेकर भी उन्होंने जानकारी दी। बैठक में तय किया गया कि पहले से चली आ रही

परंपरा को आगे भी बनाए रखा जाएगा। रामनगरी की पुरानी परंपरा के अनुसार ही इस बार भी दीपावली का पर्व भव्य तरीके से मनाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि दीपावली के अवसर पर मंदिर परिसर में एक लाख से अधिक दीपक जलाए जाएंगे और आकर्षक लाइटिंग की व्यवस्था भी की जाएगी। इस भव्य आयोजन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भी शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि जो पुरानी परंपरा बनी हुई है, उसे कायम रखते हुए दीपावली को बेहतरीन तरीके से मनाया जाएगा।

गौरवलेब है कि अयोध्या के राम मंदिर और पूरी रामनगरी में दीपावली और दीपोत्सव का आयोजन बेहद भव्य और ऐतिहासिक होता है। हर साल की तरह इस साल भी दीपोत्सव को और भी भव्य बनाने की तैयारियां जोरों पर हैं। बता दें कि रामनगरी अयोध्या में दीपोत्सव-2026 को ऐतिहासिक स्वरूप देने के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है।

बिहार : सम्राट चौधरी सरकार ने भी अनंत सिंह को दिया झटका, बाहुबली की पत्नी से छिना राज्यमंत्री का दर्जा पटना (एजेंसी)

जनता दल यूनाइटेड से छह साल निष्कासन के बाद मोकामा विधायक अनंत सिंह के परिवार को एक और झटका लगा है। सीएम सम्राट चौधरी सरकार ने अनंत सिंह की पत्नी नीलम देवी को 20 सूत्री समिति के सदस्य पद से हटा दिया गया है। साथ ही उन्हें प्राप्त राज्य मंत्री का दर्जा भी समाप्त कर दिया गया है।

बता दें कि दो दिन पहले ही शनिवार को जयदू ने अनंत सिंह और नीलम देवी को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया था। बता दें कि बिहार विधान परिषद चुनाव के दौरान अनंत सिंह ने पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार नीरज कुमार का समर्थन करने के बजाय जनसुगुज से जुड़े अनुज सिंह का साथ दिया था। इतना ही नहीं अनंत सिंह अनुज कुमार की जीत की खुशी में रिजल्ट आने से पहले ही जश्न मनाने लगे। अपने

आवास पर 50 हजार लोगों के लिए भोज का आयोजन करने जा रहे हैं। इसके अलावा उन्हें जयदू के शीर्ष नेतृत्व पर भी सवाल उठया। ललन सिंह को नहीं पहचानने की भी बात कही। इन्हीं सब आधार पर पार्टी नेतृत्व ने इसे अनुशासनहीनता के तौर पर लिया। इसके बाद पहले दोनों को पार्टी से निष्कासित किया गया और अब नीलम देवी को मिले पद और राज्य मंत्री का दर्जा भी वापस ले लिया गया है। दो दिन पहले अनंत सिंह पर जो कार्रवाई हुई थी, उसमें जयदू की ओर से कहा गया था कि पिछले कुछ दिनों से लगातार पार्टी के निर्देशों की अवहेलना की। उन पर शीर्ष नेतृत्व के प्रति अमर्यादित और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने का भी आरोप लगाया गया है। पार्टी ने इन गतिविधियों को अनुशासनहीनता मानते हुए उनकी प्राथमिक सदस्यता तत्काल प्रभाव से रद्द करने का निर्णय लिया है।

चक्रवात अर्नब के कारण 28 अक्टूबर से बिहार में बारिश संभावना, ऑरेंज अलर्ट जारी

पटना (एजेंसी)

बंगाल की खाड़ी के ऊपर बन रहा चक्रवाती तूफान ‘अर्नब’ बिहार के मौसम को प्रभावित कर सकता है। इसके चलते 28 अक्टूबर से 1 नवंबर के बीच राज्य के कई हिस्सों में बारिश होने का अनुमान है। इस सिस्टम के 28 अक्टूबर को आंध्र प्रदेश के तट तक पहुंचने की उम्मीद है, जबकि इसके अप्रत्यक्ष एभाव से बिहार में बारिश हो सकती है और आंधी-तूफान के साथ तेज हवाएं चल सकती हैं। मौसम पूर्वानुमान और बिजली गिरने की भी संभावना है। हालांकि, 26 और 27 अक्टूबर को राज्य के अधिकांश हिस्सों में मौसम मुख्य रूप से शुष्क और सामान्य रहने की उम्मीद है। पटना, मुजफ्फरपुर और अन्य इलाकों में धूप खिली रह सकती है, सुबह और शाम के समय थोड़ी ठंडक



28 अक्टूबर को कुछ जिलों के लिए ‘रेलो अलर्ट’ और 29 अक्टूबर को पूरे बिहार के लिए ‘ऑरेंज अलर्ट’ जारी किया है।

इस दौरान हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है, साथ ही आंधी-तूफान और बिजली गिरने की भी संभावना है। हालांकि, 26 और 27 अक्टूबर को राज्य के अधिकांश हिस्सों में मौसम मुख्य रूप से शुष्क और सामान्य रहने की उम्मीद है। पटना, मुजफ्फरपुर और अन्य इलाकों में धूप खिली रह सकती है, सुबह और शाम के समय थोड़ी ठंडक

रहेगी और फिलहाल बारिश के कोई आसार नहीं हैं। अधिकतम तापमान लगभग 30 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। हवा में नमी 55 से 75 प्रतिशत के बीच रहने की संभावना है, जो मौसम प्रणाली के विकसित होने के साथ बढ़ सकती है। संभावित बारिश और तेज हवाओं से खड़ी फसलों और तेज हवाओं के पेड़ों को नुकसान पहुंच सकता है। बिजली गिरने से लोगों, पशुओं और संपत्ति को खतरा हो सकता है। इसके अलावा, अस्थायी ढांचे, टीन की छत वाले घर और कच्चे मकानों को भी नुकसान पहुंचने का डर है। किसानों को सरलाह दी गई है कि वे मौसम संबंधी अपडेट पर नजर रखें और अपनी फसलों तथा कृषि उपकरणों की सुरक्षा के लिए जरूरी सावधानी बरतें।

बिहार : 13 जिलों में अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालयों में नामांकन शुरू, 3 नवंबर तक करें आवेदन



विद्यार्थियों के रहने, भोजन, पोशाक, पाठ्य सामग्री और स्वास्थ्य संबंधी सभी खर्च राज्य सरकार वहन करेगी। इस योजना का लाभ बिहार के मूल निवासी मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन और पारसी समुदाय के विद्यार्थी उठा सकते हैं। पात्रता के अनुसार, नौवीं कक्षा में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी और बालिका दोनों वर्गों में 75 11वीं कक्षा में प्रवेश के लिए 18 वर्ष निर्धारित की गई है। इसके अलावा, आवेदक के परिवार की कुल वार्षिक आय छह लाख रुपये से अधिक नहीं

होनी चाहिए। आवेदन करने वाले विद्यार्थियों को निर्धारित पात्रता शर्तों को पूरा करना होगा। आवासीय विद्यालयों में नामांकन के लिए सीटों के आरक्षण की व्यवस्था भी की गई है। कुल स्वीकृत सीटों में से 50 प्रतिशत सीटें बालिकाओं के लिए आरक्षित रखी गई हैं। वहीं, बालक और बालिका दोनों वर्गों में 75 प्रतिशत सीटें ग्रामीण पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों के लिए निर्धारित की गई हैं। इसके अलावा, 11वीं कक्षा में विज्ञान और कला संकाय की पढ़ाई की सुविधा भी उपलब्ध है।

बिहार : दहेज के लिए विवाहिता से बर्बरता, 20 लाख नहीं मिले तो हाथ-पैर बांधकर पीटा, मुंह में दूसा कपड़ा

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर एक विवाहिता के साथ मारपीट और प्रताड़ना का मामला सामने आया है। सदर थाना क्षेत्र के गोबरसही मोहल्ले में रहने वाली विवाहिता बबली कुमारी ने आरोप लगाया है कि ससुराल पक्ष के लोगों ने दहेज में 20 लाख रुपये नहीं मिलने पर उसके हाथ-पैर बांध दिए और बेरहमी से पिटाई की।

आरोप है कि उसकी चीख-पुकार किसी को सुनाई न दे, इसके लिए आरोपियों ने उसके मुंह में कपड़ा दूसा दिया। मारपीट के दौरान वह बेहोश हो गई। पीड़िता ने अपने पति प्रभात कुमार समेत ससुराल पक्ष के कई लोगों के खिलाफ सदर थाने में प्राथमिकी



दर्ज कराई है। पीड़िता बबली कुमारी का आरोप है कि उसका पति और ससुराल पक्ष के अन्य लोग दहेज में 20 लाख रुपये की मांग कर रहे थे। मांग पूरी नहीं होने पर उसे लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। आरोप है कि उसके साथ मारपीट की गई और जान से मारने की धमकी भी

अखिलेश के ‘गढ़’ आजमगढ़ में गैर-यादव पिछड़ों की ताकत दिखाने की तैयारी, राजभर ने महारैली को लेकर दी चुनौती

लखनऊ (एजेंसी)

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के नेता और उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए आजमगढ़ में 29 नवंबर को होने वाली सामाजिक समरसता महारैली को लेकर चुनौती दी है। उन्होंने दावा किया कि महारैली के जरिए पूर्वांचल में गैर-यादव पिछड़े और बहुजन समाज की एकजुटता प्रदर्शित की जाएगी। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के नेता और उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव को संबोधित करते हुए कहा कि उनके ‘काल्पनिक गढ़’ एक के बाद एक ढह रहे हैं।

कन्नौज के बाद अब आजमगढ़ में भी उनकी विदाई का बाजा बजने वाला है। उन्होंने कहा कि पीछीए के नाम पर किए जा रहे दावों की वास्तविकता 29 नवंबर को आजमगढ़ में दिखाई देगी। उन्होंने कहा कि आजमगढ़ के आईटीआई मैदान में



सुभासपा की विशाल सामाजिक समरसता महारैली आयोजित की जाएगी। उन्होंने अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि रैली की बीड़ियों रिकॉर्डिंग कराकर देख लीजिएगा कि कैसे उनका किला ढह रहा है। राजभर ने दावा किया कि इस महारैली के माध्यम से पूर्वांचल के दलितों, पिछड़ों और खासकर गैर-यादव पिछड़ा समाज की एकजुटता का शंखनाद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव आजमगढ़ को अपना गढ़ बताते हैं, लेकिन इसी क्षेत्र में पहली बार बहुजन समाज अपनी आवाज बुलंद करने जा रहा है। मंत्री ने कहा कि पीछीए के नाम पर राजनीति करने वालों को अब राजभर, निषाद, चौहान, प्रजापति, पटेल, पाल समेत अन्य गैर-यादव पिछड़ी जातियों की ताकत को समझना होगा।

महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों से ही साकार होगा समरस समाज का सपना : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ (एजेंसी)



उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महर्षि वाल्मीकि जयंती पर प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने रामायण के माध्यम से सत्य, धर्म, मर्यादा और कर्तव्यनिष्ठ का जो संदेश दिया, वह युगों-युगों तक मानवता का मार्गदर्शन करता रहेगा। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों को आत्मसात करके ही समाज में समरसता, समानता और बंधुत्व की भावना को मजबूत किया जा सकता है। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि महर्षि वाल्मीकि केवल भारतीय संस्कृति ही नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के महान मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत हैं। कौंच पक्षी के वध से उपजी करुणा महर्षि वाल्मीकि के मुख से प्रथम श्लोक के

कल्याण पर आधारित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों को आत्मसात करते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। महर्षि वाल्मीकि के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और उससे जुड़े पावन स्थलों के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। चित्रकूट स्थित उनके साधना स्थल के विकास की पहल इसी दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है, ताकि श्रद्धालु और युवा पीढ़ी उनके जीवन-दर्शन से प्रेरणा प्राप्त कर सकें। इसी प्रकार, बिठूर स्थित महर्षि वार्मीकि आश्रम के पर्यटन विकास और संरक्षण के लिए भी विभिन्न कार्य किए गए हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को महर्षि वाल्मीकि का नाम दिया जाना उनकी विरासत को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान प्रदान करता है। प्रदेश में वाल्मीकि जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करना भी उनके प्रति सम्मान का प्रतीक है।

बिहार : फर्जी टीईटी प्रमाण पत्र पर 12 साल तक करती रही नौकरी, नियोजित शिक्षिका पर प्राथमिकी दर्ज मुजफ्फरपुर (एजेंसी)

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के मीनापुर प्रखंड में फर्जी टीईटी प्रमाण पत्र के आधार पर करीब 12 साल तक नौकरी करने का मामला सामने आया है। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की जांच में शैक्षणिक प्रमाण पत्रों में गड़बड़ी का खुलासा हुआ है। इसके बाद आरोपी नियोजित शिक्षिका ज़ाति कुमारी के खिलाफ सिविलपट्टी थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। निगरानी विभाग की जांच के अनुसार, ज़ाति कुमारी वर्तमान में मीनापुर प्रखंड के सिवाईपट्टी थाना क्षेत्र स्थित पैगंबरपुर हनुमान प्रार्थमिक विद्यालय में कार्यरत हैं। पटना हाईकोर्ट के आदेश के अलावे में शिक्षकों के शैक्षणिक प्रमाण पत्रों के सत्यापन के दौरान इस

कथित फर्जीबाड़े का खुलासा हुआ। जांच में सामने आया कि ज़ाति कुमारी ने वर्ष 2014 में ग्राम पंचायत नियोजन इकाई, पैगंबरपुर में आवेदन देकर अप्रशिक्षित शिक्षिका के रूप में नौकरी हासिल की थी। आवेदन के साथ उन्होंने वर्ष 2011 का टीईटी अंक पत्र जमा किया था, जिसमें 90 अंक प्राप्त होने का उल्लेख था। इसी प्रमाण पत्र के आधार पर उनकी नियुक्ति हुई थी। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की जांच में बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (बिहार बोर्ड) के अभिलेखों का सत्यापन किया गया। इसमें सामने आया कि संबंधित रोल नंबर पर अभ्यर्थी को 90 नहीं, बल्कि केवल 50 अंक मिले थे। इन अंकों के आधार पर वह टीईटी परीक्षा में अनुत्तीर्ण थीं। जांच के अनुसार, अंक पत्र में कथित तौर पर हेफेर कर अधिक अंक दर्शाए गए और इसी के आधार पर शिक्षिका ने नौकरी हासिल की।

बावजूद दूसरी शादी करने का आरोप भी लगाया है। पीड़िता के मुताबिक, उसके पति ने पहली शादी की बात उससे और उसके परिवार से छिपाई थी। इस तरह उन्हें अंधेरे में रखकर शादी की गई। पीड़िता ने आरोप लगाया कि घटना के दौरान होश में आने के बाद भी ससुराल पक्ष के लोगों ने उसके साथ मारपीट की। इसके बाद उसने फोन कर अपने मायके वालों को पूरी घटना की जानकारी दी।

19 नवंबर 2024 को हुई थी शादी
पीड़िता मूल रूप से बिहार के गयाजी जिले की रहने वाली है। उसकी शादी 19 नवंबर 2024 को मुजफ्फरपुर जिले के सदर थाना क्षेत्र निवासी प्रभात कुमार से हुई थी। बबली के अनुसार, बीते दिनों रात में उसके पति ने दहेज में 20 लाख रुपये लाने की मांग की। जब उसने मायके से इतनी रकम लाने में असमर्थता जताई तो उसके हाथ-पैर बांध दिए गए। आरोप है कि इसके बाद उसके मुंह में कपड़ा टूंसकर पिटाई की गई, जिससे वह बेहोश हो गई।

पुलिस ने शुरू की मामले की जांच
घटना के बाद पीड़िता ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। उसने अपने पति प्रभात कुमार समेत ससुराल पक्ष के कई लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। मामले में सदर थाना पुलिस का कहना है कि मारपीट और प्रताड़ना के संबंध में शिकायत मिली है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सर्बिया संसदीय चुनाव: छात्र आंदोलन ने पलटी बाजी, अलेक्जेंडर वुसिच ने स्वीकारी हार

बेलग्रेड (एजेंसी)

राष्ट्रपति पद छोड़कर संसदीय चुनाव के जरिए सत्ता में वापसी की कोशिश कर रहे अलेक्जेंडर वुसिच ने रविवार को अपनी हार स्वीकार कर ली। शुरुआती चुनावी अनुमानों के मुताबिक, छात्र समर्थित उम्मीदवारों के गठबंधन को संसद में बहुमत मिलने की संभावना है। यह चुनाव वुसिच की सर्वियाई प्रोग्रेसिव पार्टी (एसएनएस) और भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन से निकले छात्र समूह के बीच मुकाबले के रूप में देखा गया।

पोलिंग एजेंसियों इप्सोस और सीईएसआईडी (सीईएसआईडी) द्वारा जारी शुरुआती अनुमानों के अनुसार, ‘स्टूडेंट्स लिस्ट -- स्टूडेंट्स विन’ को 52 प्रतिशत वोट मिले हैं। यह आंकड़ा वुसिच के नेतृत्व वाले गठबंधन ‘अलेक्जेंडर वुसिच -- यूनाइटेड सर्विया’ से काफी आगे है, जिसे 39.3 प्रतिशत वोट मिले हैं। सिंहआ न्यूज़ एजेंसी ने बताया कि वुसिच ने



बेलग्रेड में अपनी पार्टी के मुख्यालय में समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि शुरुआती नतीजों के आधार पर यह स्पष्ट है कि उनकी पार्टी चुनाव हार गई है और ‘स्टूडेंट लिस्ट’ ने जीत हासिल की है। उन्होंने अनुमान जताया कि छात्र समर्थित सूची को संसद की 250 सीटों में से 135 से 140 सीटें मिल सकती हैं, जबकि उनकी पार्टी को लगभग 105 सीटें मिलने की उम्मीद है। वुसिच ने कहा, मैं आपको

बताना चाहता हूं कि स्टैंटफाइड सैंपल (स्टरीकृत नमूने) के आधार पर यह साफ है कि हम ये चुनाव हार गए हैं। स्टूडेंट लिस्ट जीत गया है। उनके पास 135 से 140 सीटें होंगी, और हमारे पास लगभग 105 सीटें होंगी।

वुसिच के अनुमानों के अनुसार, छात्रों के समर्थन वाली सूची को लगभग 22 लाख (2.2 मिलियन) वोट मिले, जबकि उनके गठबंधन को लगभग 17.2 लाख (1.72

पोलिंग एजेंसियों इप्सोस और सीईएसआईडी (सीईएसआईडी) द्वारा जारी शुरुआती अनुमानों के अनुसार, ‘स्टूडेंट लिस्ट -- स्टूडेंट्स विन’ को 52 प्रतिशत वोट मिले हैं। यह आंकड़ा वुसिच के नेतृत्व वाले गठबंधन ‘अलेक्जेंडर वुसिच -- यूनाइटेड सर्विया’ से काफी आगे है, जिसे 39.3 प्रतिशत वोट मिले हैं

मिलियन) वोट मिले। ‘स्टूडेंट लिस्ट’ के मुख्यालय में जीत का जश्न शुरू होते ही, प्रमुख उम्मीदवार रादोमिर साइचिक (बेलग्रेड विश्वविद्यालय में प्रोफेसर और सर्वियाई एकेडमी ऑफ साइंसेज एंड आर्ट्स के सदस्य) ने इसे सर्वियाई नागरिकों के लिए एक ऐतिहासिक जीत करार दिया। साइचिक ने कहा, ‘आज रात लोगों की आवाज सुनी गई है।’ उन्होंने बताया कि शुरुआती नतीजों से पता चलता है कि ‘स्टूडेंट लिस्ट’ सभी मतदान केंद्रों पर स्पष्ट रूप से आगे चल रही है। उन्होंने कहा, यह डर पर साहस की जीत है, उदासीनता पर उम्मीद की जीत है, और इस विश्वास की जीत है कि सर्विया के विचार अलग हो सकते हैं और उसे

अलग होना ही चाहिए... यह जीत किसी एक व्यक्ति की निजी उपलब्धि नहीं है, बल्कि हम सबकी है। इस बात पर जोर देते हुए कि जनता के चुनावी फैसले का ‘हर हाल में सम्मान किया जाना चाहिए,’ साइचिक ने अपने समर्थकों से शांति और गरिमा के साथ जश्न मनाने की अपील की।

उन्होंने नागरिकों से यह भी कहा कि वे किसी उकसावे में न आएँ और न ही किसी तरह के विवाद में पड़ें। रविवार को हुए मतदान से सर्विया की संसद (जो एक-सदनीय है) की सभी 250 सीटों के नतीजे तय हुए, जिनमें बहुमत के लिए 126 सीटों की जरूरत थी। करीब 64.5 लाख मतदाता 8,392 मतदान केंद्रों पर वोट

इसराइल चुनाव से पहले नेतन्याहू के समर्थन में खुलकर उतरे डोनाल्ड ट्रंप : बोले-जिसे शुरू किया था, वो काम पूरा करना है

वांशिंगटन/यरूशलम (एजेंसी)

इसराइल में होने जा रहे आम चुनावों से ऐन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसराइली प्रधानमंत्री बिन्यामिन नेतन्याहू के समर्थन में बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने इसराइल की जनता से नेतन्याहू (बीबी) को फिर से सत्ता में लाने की अपील करते हुए कहा कि दोनों नेताओं ने मिलकर जिस व्यापक मिशन की शुरुआत की थी, उसे अब मुकाम तक पहुँचाने और उस काम को पूरा करने की जरूरत है। ‘**बीबी और मेरी जोड़ी ने इतिहास रचा’**: ट्रंप की **दृथ सोशल पर लंबी पोस्ट** सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘दृथ सोशल’ पर साझा की गई अपनी विस्तृत पोस्ट में राष्ट्रपति ट्रंप ने नेतन्याहू के नेतृत्व



और दोनों के साझा रणनीतिक समीकरणों की जमकर तारीफ की: साझा साझेदारी और जीत: ट्रंप ने लिखा कि दुश्मन भी जानते हैं कि ‘बीबी’ और उनके बीच मिलकर जीत दर्ज करने का एक बेहतरीन और अटूट रिश्ता रहा है। उन्होंने मतदाताओं से कहा कि वोट डालते समय यह याद रखें कि नेतन्याहू एक असाधारण और

‘**एपिक फ्यूरी**’ का हवाला ट्रंप ने अपने कार्यकाल के दौरान ईरान और अन्य मोर्चों पर की गई सख्त सैन्य कार्यवाहियों का सिलसिलेवार व्योरा दिया: परमाणु कार्यक्रम पर रोक: उन्होंने कहा कि वेनेजुएला में चलाए गए इतिहास के सबसे सफल सैन्य अभियानों से पहले ‘ऑपरेशन मिडनाइट हैमर’ को अंजाम दिया गया, जिसने दुनिया में आतंकवाद के सबसे बड़े समर्थक देश को परमाणु हथियार विकसित करने से सफलतापूर्वक रोक दिया। ईरान की नौसेना वायुसेना ध्वस्त: इसके बाद चलाए गए ‘ऑपरेशन एपिक फ्यूरी’ का जिक्र करते हुए ट्रंप ने दावा किया कि अब ईरान के पास न तो प्रभावी नौसेना बची है और न ही वायुसेना। आर्थिक और नेतृत्व स्तर पर चोट: उन्होंने कहा

ममता बनर्जी ने अपनी पार्टी के स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं के बारे में जिलावार मांगी रिपोर्ट

कोलकाता (एजेंसी)

पश्चिम बंगाल में इस साल के अंत तक होने वाले सात शहरी निकाय चुनावों के मद्देनजर पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपनी पार्टी के नेताओं को निर्देश दिया है कि वे स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं की जिलावार विस्तृत सूची तैयार करें। इस सूची में उन लोगों को शामिल किया जाना है, जो तुणमूल कांग्रेस के उस गुट के प्रति निष्ठावान बने हुए हैं, जिसका नेतृत्व ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी कर रहे हैं।

तुणमूल के ममता बनर्जी गुट के एक नेता ने कहा, ‘एक बार जिला-वार सूचियां मिल जाने के बाद ममता बनर्जी अपनी पार्टी के राज्य नेतृत्व के साथ एक बैठक करेंगी और शहरी निकाय चुनावों के लिए नामों को अंतिम रूप देंगी। इस बैठक में चुनावों के लिए रणनीति भी

तय की जाएगी।’ उन्होंने बताया कि नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं की ऐसी जिला-स्तरीय सूची तैयार करना, जो अभी भी उनके प्रति वफादार हैं, इसलिए भी जरूरी है ताकि इसे भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) को सौंपा जा सके। इससे ‘ऑल इंडिया तुणमूल कांग्रेस’ नाम और ‘फूल और घास’ वाले चुनाव चिह्न पर उनके गुट के अधिकार को साबित किया जा सकेगा। नेता ने कहा, हमने इस मामले में जिला-स्तरीय नेताओं और कार्यकर्ताओं से शपथ-पत्र लेने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। हालांकि, राज्य सरकार पुलिस के जरिए हमारे जिला-स्तरीय नेताओं और कार्यकर्ताओं पर दबाव डाल रही है कि वे ऐसे शपथ-पत्रों पर हस्ताक्षर करें, जिनमें वे ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी गुट के प्रति अपनी वफादारी की पुष्टि करें।

गुजरात में गिरनार लिली परिक्रमा की तैयारियां तेज, कलेक्टर ने लिया जायजा



जूनागढ़ (एजेंसी)

गुजरात के जूनागढ़ जिले में होने वाली प्रसिद्ध गिरनार लिली परिक्रमा को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिला कलेक्टर योगेश चौधरी ने कहा कि गिरनार की ऐतिहासिक परिक्रमा में हर साल लगभग पांच से सात लाख श्रद्धालु शामिल होते हैं। पिछले साल अधिक बारिश के कारण परिक्रमा का आयोजन नहीं हो सका था। जिन श्रद्धालुओं की परिक्रमा पिछले साल पूरी नहीं हो पाई थी, उन सभी को इस बार प्रशासन की ओर से आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि गिरनार का क्षेत्र वन क्षेत्र और अभयारण्य है। परिक्रमा के लिए लगभग 35 किलोमीटर का मार्ग

सफाई, स्वास्थ्य सेवा, पार्किंग और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष तैयारी करने को कहा है। इस संबंध में मीडिया से बात करते हुए कलेक्टर योगेश चौधरी ने कहा कि गिरनार की ऐतिहासिक परिक्रमा में हर साल लगभग पांच से सात लाख श्रद्धालु शामिल होते हैं। पिछले साल अधिक बारिश के कारण परिक्रमा का आयोजन नहीं हो सका था। जिन श्रद्धालुओं की परिक्रमा पिछले साल पूरी नहीं हो पाई थी, उन सभी को इस बार प्रशासन की ओर से आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि गिरनार का क्षेत्र वन क्षेत्र और अभयारण्य है। परिक्रमा के लिए लगभग 35 किलोमीटर का मार्ग

ओपन सर्व/ओ पी उनियाल

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनपद पिथौरागढ़ के गुंजी में आयोजित आदि कैलाश परिक्रमा रन-2.0 में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने 70 किलोमीटर और 42 किलोमीटर की दौड़ के विजेताओं को पुरस्कृत किया तथा देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे धावकों का उसाहवर्धन किया।

मुख्यमंत्री का गुंजी पहुंचने पर रं समुदाय के लोगों ने पारंपरिक वेशभूषा पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान स्थानीय समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विशिष्ट परंपराओं की झलक देखने को मिली। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदि कैलाश परिक्रमा रन केवल एक मैराथन नहीं, बल्कि साहस, संकल्प, आत्मविश्वास और दृढ़ इच्छाशक्ति की परीक्षा है। उच्च हिमालयी क्षेत्र में कठिन रास्तों, विषम मौसम और सीमित ऑक्सीजन के



बीच इस प्रकार की प्रतियोगिता में प्रतिभाग करना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने में भारतीय सेना, आईटीबीपी और एसएनवी के सहयोग में देश की सीमाओं की सुरक्षा करने के बड़े आकर्षण को दर्शाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदि कैलाश परिक्रमा रन जैसे आयोजन सीमांत क्षेत्रों की स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। ऐसे आयोजनों से होमस्टे संचालकों, स्थानीय गाइडों, परिवहन व्यवसायियों, होटल एवं खानपान से जुड़े लोगों को लाभ मिल

वर्ष आदि कैलाश क्षेत्र के लिए जारी इनर लाइन परमिट की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो इस क्षेत्र के प्रति पर्यटकों और श्रद्धालुओं के बढ़ते आकर्षण को दर्शाती है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर घोषणा की कि अगले वर्ष मई माह के प्रथम सप्ताह में राज्य सरकार द्वारा ‘100 माइल्स हिमालयन एंड्योरेंस अल्ट्रा रन’ का आयोजन किया जाएगा। यह दौड़ लगभग 5,600 मीटर की ऊंचाई पर स्थित माणा पास से प्रारंभ होकर बदरीनाथ और जोशीमठ होते हुए औली तक पहुंचेगी।

पूर्णिमा पर भांग और रजत मुकुट से सजे बाबा महाकाल, भस्म रमाकर दिए दिव्य दर्शन, आरती में उमड़े श्रद्धालु

उज्जैन (एजेंसी)

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में अश्विन शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि सोमवार की सुबह 4 बजे हुई भस्म आरती के दौरान बाबा महाकाल का पंचामृत पूजन-अभिषेक कर आकर्षक श्रृंगार किया गया। श्रृंगार के बाद बाबा महाकाल को भस्म रसाई गईं। इस दौरान भक्तों ने इन दिव्य दर्शनों का लाभ लिया और जय श्री महाकाल के उद्घोष से मंदिर परिसर गुंज उठा। मंदिर के पुजारी पंडित महेश शर्मा ने बताया कि अश्विन शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि सोमवार पर आज श्री महाकालेश्वर मंदिर में बाबा महाकाल का विशेष श्रृंगार किया गया।

इस दौरान भस्म आरती के लिए सुबह 4 बजे मंदिर के पट खुलते ही पण्डे पुजारियों ने गर्भागृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन कर भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, श्री, शक्कर फलों के रस से बने पंचामृत को अर्पित कर किया।



इसके बाद प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को चांदी का मुकुट और मुंड माला धारण करवाई गईं। सोमवार के श्रृंगार की विशेष बात यह रही कि बाबा महाकाल का भांग से श्रृंगार किया गया। इस दौरान बाबा महाकाल को रजत मुकुट भी पहनाया गया। बाबा महाकाल की भस्म आरती में बड़ी संख्या मे श्रद्धालु पहुंचे, जिन्होंने बाबा महाकाल के इस दिव्य स्वरूप के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया और बाबा महाकाल की भक्ति में लीन होकर जय श्री महाकाल का उद्घोष करने लगे।

केन्या में भीषण सड़क हादसा : बस-ट्रक की टक्कर में 24 की मौत, 24 घायल, तीन हफ्ते पहले 17 ने गंवाई थी जान

माकुएनी/केन्या (एजेंसी)

केन्या में एक भीषण सड़क हादसे में कम से कम 24 लोगों की मौत हो गई, जबकि 24 अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना देश के प्रमुख नैरोबी-मोम्बासा हाईवे पर बस और ट्रक की टक्कर के कारण हुई। पुलिस के अनुसार, हादसे के बाद घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, बस में सवार यात्री पश्चिमी केन्या में अपने चर्च के पादरी के अंतिम संस्कार में शामिल होने के बाद मोम्बासा लौट रहे थे।

इसी दौरान यह हादसा हुआ। बस में सवार वायलेट प्लांडेनी ने बताया कि यात्री मार्टिंटो एड्डेई कसवे में नाश्ता करने के बाद आगे बढ़े थे। उन्होंने कहा कि उन्हें दुर्घटना की पूरी घटना याद नहीं है। उन्हें बस इतना याद है कि लोग मदद के लिए चिल्ला रहे थे और वाहन चालकों से बचाने की गुहार लगा रहे थे। उन्होंने अपने दो बच्चों की स्थिति को लेकर भी चिंता जताई। एक अन्य यात्री सेंसा मुखवे के



अनुसार, ट्रक ने बस को पीछे से टक्कर मारी, जिसके बाद बस पलट गई। हालांकि, हादसे की परिस्थितियों की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा प्राधिकरण ने शुरुआती जानकारी के आधार पर गलत तरीके से ओवरटेक करने की आशंका जताई है। प्राधिकरण के अनुसार, वाहनों के बीच आमने-सामने की टक्कर की जानकारी भी सामने आई थी। केन्या के राष्ट्रपति विलियम रूटो ने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदन जताई और सभी सार्वजनिक यात्री वाहनों की जांच करने का आदेश दिया। उन्होंने चालकों से सावधानी बरतने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा प्राधिकरण ने सड़क हादसों को राष्ट्रीय आपात स्थिति के स्तर तक पहुंचने वाला संकट बताया।

ईरान पर नीतिगत रुख के बीच समर्थन की अपील

कि नाकाबंदी के चलते ईरान अपना तेल नहीं बेच पा रहा है, वहां महंगाई 301 फीसदी तक पहुंच चुकी है और ईरानी सेना व प्रशासन के शीर्ष दोनों स्तरों का नेतृत्व पूरी तरह खत्म हो चुका है। **ईरान पर नीतिगत रुख के बीच समर्थन की अपील** गौरतलब है कि एक दिन पूर्व ही ट्रंप ने ईरान के संदर्भ में कहा था कि उन्होंने अभी यह अंतिम रूप से तय नहीं किया है कि वे कूटनीतिक समझौता करेंगे या पूर्ण युद्ध छेड़ेंगे। ऐसे संवेदनशील मोड़ पर इसराइली चुनावों में नेतन्याहू के पक्ष में उनकी सीधी अपील को मध्य पूर्व की भविष्य की रणनीतिक दिशा तय करने वाले एक बड़े हस्तक्षेप के रूप में देखा जा रहा है।

कर्नाटक : तुमकुरु में कार की टक्कर से दो युवतियों की मौत, कई अन्य घायल

तुमकुरु (एजेंसी)

कर्नाटक के तुमकुरु जिले के सिरा तालुक के तवारेकरे गांव के पास सोमवार तड़के दो कारों की टक्कर में दो युवतियों की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए। मृतकों की पहचान निसर्गा (20) और रुपा (21) के रूप में हुई है। वे उत्तरी कर्नाटक के बिजयपुरा से एक जांब इंटरव्यू के लिए बेंगलुरु जा रही थीं। दोनों ने बैचलर ऑफ फार्मसी की डिग्री पूरी कर ली थी। पुलिस के अनुसार, यह हादसा सुबह करीब 5 बजे तवारेकरे पुलिस थाना क्षेत्र में हुआ।

शुरुआती जांच से पता चला है कि युवतियों वाली कार का ड्राइवर, पवन, गाड़ी पर से नियंत्रण खो बैठा, जिससे कार सड़क के डिवाइडर से टकरा गई। बताया जा रहा है कि कार हवा में उछलकर सड़क पर गिरी और फिर सामने से आ रही एक दूसरी कार से टकरा गई। पहली कार में ड्राइवर पवन समेत चार लोग सवार थे। इस

हादसे में पवन और एक अन्य युवती को गंभीर चोट आई। दूसरी कार में भी चार लोग सवार थे, और वे सभी घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए तुमकुरु के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस मामले में आगे जांच कर रही है। बता दें कि 25 अक्टूबर को मंगलुरु जिले के सुलिया के पास, मणि-मैसूर नेशनल हाईवे पर गुलडका में एक कार के ट्रक से टकरा जाने से उसमें सवार लगभग 13 साल के एक लड़के की मौत हो गई थी। कार में सवार चार अन्य लोग भी घायल हो गए थे, जिन्हें इलाज के लिए सुलिया के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहीं, 16 अक्टूबर को दावणगेरे जिले में नेशनल हाईवे 48 पर अनागोडु के पास, एक 16 वर्ष का लड़का कार चला रहा था, जिसमें उसके दो नाबालिग दोस्त भी सवार थे। कार हवा में उछलकर सड़क पर गिरी और फिर सामने से आ रही एक दूसरी कार से टकरा गई। पहली कार में ड्राइवर पवन समेत चार लोग सवार थे। इस

फिंगरप्रिंट नहीं मिलने पर भी हितग्राहियों को मिलेगा राशन, वैकल्पिक व्यवस्था का है प्रावधान

ओपन सर्व. संवाददाता

रायपुर। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत राशन प्राप्त करने के लिए फिंगरप्रिंट का मिलान नहीं होने पर भी पात्र हितग्राहियों को राशन उपलब्ध करने की वैकल्पिक व्यवस्था का प्रावधान है। बुजुर्गों सहित ऐसे हितग्राही, जिन्हें बायोमेट्रिक प्रमाणिकरण में परेशानी होती है, वे नियमानुसार नामिनी (नामांकित व्यक्ति) अथवा ओटीपी आधारित प्रमाणिकरण के माध्यम से राशन प्राप्त कर सकते हैं। खाद्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि केवल फिंगरप्रिंट का मिलान नहीं होने से यह निष्कर्ष निकालना उचित नहीं है कि संबंधित हितग्राही को राशन नहीं मिल सकता।



मशीन में मैच नहीं होता है, तो उसे नियमानुसार अन्य माध्यमों से राशन प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध हो सकती है। विशेष रूप से बुजुर्गों एवं बायोमेट्रिक प्रमाणिकरण में कठिनाई का सामना करने वाले हितग्राहियों के लिए यह व्यवस्था महत्वपूर्ण है। खाद्य निंत्रक ने कहा कि फिंगरप्रिंट का मिलान नहीं होने के कारण बुजुर्गों एवं अन्य पात्र हितग्राहियों को राशन नहीं मिलने संबंधी भ्रामक एवं अशुभ जानकारी है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत ऐसी परिस्थितियों से निपटने

के लिए पहले से वैकल्पिक व्यवस्था का प्रावधान है। खाद्य नियंत्रक ने कहा है कि इस प्रकार के वैकल्पिक व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त करना आवश्यक है, ताकि आम जनता के बीच भ्रम की स्थिति उत्पन्न न हो। ऐसे मामलों में नियमानुसार नामिनी (नामांकित व्यक्ति) के माध्यम से अथवा ओटीपी आधारित प्रमाणिकरण के जरिए से राशन प्राप्त करने की सुविधा हो सकती है। अतः फिंगर प्रिंट मिलान न होने मात्र से यह निष्कर्ष निकालना उचित नहीं कि संबंधित हितग्राही को राशन नहीं मिल सकता।

रियल मैड्रिड ने बार्सिलोना को 2-1 से हराया, एमबाप्पे बने जीत के नायक

बार्सिलोना (एजेंसी)

ला लीगा के मुकाबले में रियल मैड्रिड ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए एफसी बार्सिलोना को 2-1 से शिकरत दी। मैड्रिड के जीत के नायक किलियन एमबाप्पे रहे, जिन्होंने इस मुकाबले में 2 गोल दागते हुए क्लब की ओर से अपने 100 गोल भी पूरे किए। मैच की शुरुआत जूड बेलिंगहम के शानदार खेल से हुई। उन्होंने बेहतरीन तरीके से गेंद को घुमाते हुए अर्दा गुलेर को पास दिया, जिन्होंने आगे एडुआर्डो कामाविंगा के लिए मौका बनाया। इसके बाद किलियन एमबाप्पे ने चतुराई दिखाते हुए गेंद को पाउ कुबारसी के पास से निकाल दिया, जिससे मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी ने गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिला दी।

पहले हाफ में रियल मैड्रिड ने बार्सिलोना को ज्यादा मौके नहीं दिए और उसके हमलों को अच्छे तरह रोकें रखा। मैड्रिड के 1-0 की बढ़त लेने से पहले अर्दा गुलेर को भी दो अच्छे मौके मिले थे। मैच के सिर्फ चार मिनट बाद उनका पहला शॉट गोल पोस्ट से कुछ सेंटीमीटर दूर निकल गया। 14 मिनट बाद उन्हें दूसरा मौका मिला, जिसे जोन गार्सिया ने बचा लिया। 41वें मिनट में मैड्रिड की टीम ने शानदार तालमेल दिखाते हुए गोल का सुखा खत्म किया। यान डायोमांडे ने एक बेहतरीन क्रॉस दिया।



हालाँकि, गेंद को क्लियर करने की कोशिश में जेराड मार्टिन से टकराकर गेंद एमबाप्पे के पास चली गई, जिन्होंने अपनी दाएं पैर से उसे गोल में पहुंचा दिया। दो मिनट बाद ही बार्सिलोना ने वापसी की कोशिश की, लेकिन लामिन यमल करीब से गोल करने से चूक गए। हाफ टाइम से ठीक पहले स्कोर 0-2 हो सकता था, जब डायोमांडे सीधे जोन गार्सिया के सामने आ गए, लेकिन उनका शॉट गोल पोस्ट के किनारे (साइड नेटिंग) पर जाकर लगा। दूसरे हाफ में भी मैच का रुख ज्यादा नहीं बदला। रियल मैड्रिड ने

मजबूत डिफेंस किया और तेज जवाबी हमलों से बार्सिलोना की टीम को लगातार परेशानी में डाले रखा। 56वें मिनट में जोआओ कैसिलो ने यान डायोमांडे की जांच के पीछे जोरदार टक्कर मारी। इसके बाद मैड्रिड के खिलाड़ियों ने कैसिलो को रेड कार्ड दिखाने की मांग की। चोट लगने की वजह से डायोमांडे को करीब एक मिनट के लिए मैदान से बाहर जाना पड़ा। पांच मिनट बाद रॉफिन्हो ने गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। हालाँकि, इसके ठीक दो मिनट बाद, अर्दा

गुलेर ने एक मुश्किल एंगल से जोरदार शॉट मारा, जिसे जोन गार्सिया ने बड़ी मुश्किल से बचाया। कुछ ही पलों बाद, एक और शानदार बचाव देखने को मिला, जब 66वें मिनट में लुनिन ने कॉर्नर से आए जेराड मार्टिन के हेडर को बेहतरीन तरीके से रोक दिया। जैसे-जैसे मैच खत्म होने की ओर बढ़ा, 88वें मिनट में जोस मोरिन्हो की टीम ने एक शानदार मूव के जरिए ‘एल क्लासिको’ अपने नाम कर लिया। इसकी शुरुआत जूड बेलिंगहम के बेहतरीन रूलेट मूव से हुई। उन्होंने गेंद

‘यह उपलब्धि उतनी अहम नहीं’, रियल मैड्रिड के लिए 100 गोल पूरे करने पर बोले एमबाप्पे

बार्सिलोना। रियल मैड्रिड के लिए 100 गोल पूरे करने के बाद स्टार फॉरवर्ड खिलाड़ी किलियन एमबाप्पे ने कहा कि यह उपलब्धि उतनी अहम नहीं है, क्योंकि अभी और भी कई गोल आने बाकी हैं। एमबाप्पे ने ‘एल क्लासिको’ के दौरान रियल मैड्रिड के लिए अपने 100 गोल पूरे किए। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल किए, जिससे कैप नोड में टीम की जीत पक्की हो गई। उन्होंने अपने 116वें मैच में यह मुकाम हासिल किया।

रियल मैड्रिड के लिए उनके 100 गोल इस प्रकार हैं: ला लीगा में 67, चैंपियंस लीग में 25, कोपा डेल रे में 4, क्लब वर्ल्ड कप में 2, यूएफए सुपर कप में 1 और स्पेनिस सुपर कप में 1 गोल। एमबाप्पे क्लब के साथ अपने पहले सीजन में 44 गोल किए, पिछले सीजन में 42 गोल किए, और इस सीजन में अब तक 14 गोल कर चुके हैं। एमबाप्पे ने

अर्दा गुलेर को दी, जिन्होंने आगे एडुआर्डो कामाविंगा के लिए मौका बनाया। कामाविंगा ने पाउ कुबारसी को



कहा, मैं बहुत खुश हूं। सभी जानते हैं कि मुझे गोल करना और इस तरह टीम की मदद करना पसंद है। हालाँकि, मुझे लगता है कि यह बस एक छोटी सी बात है, क्योंकि सबसे अहम चीज टीम की जीत और पूरी टीम की मेहनत है। इस जीत से टीम का आत्मविश्वास बढ़ेगा, और आगे भी कई गोल होंगे, इसलिए यह

कोई बहुत बड़ी बात नहीं है। उन्होंने आगे कहा, इस मैच के असली हीरो पूरी टीम और सभी खिलाड़ी हैं, क्योंकि हमें पता था कि हमें एक मजबूत खेल दिखाना है, और वह भी एक टीम के रूप में।

हमने पिछले कुछ मैचों में अच्छी तैयारी की थी, जिसका नतीजा यह रहा कि हम जीते और अच्छ खेले। हम

रियल मैड्रिड के लिए अपने 100 गोल पूरे कर लिए। इस गोल के बाद मैच के अंतिम क्षणों तक मैड्रिड ने अपनी

एक सकारात्मक सोच के साथ मैदान पर उतरे और अपना पूरा जोर लगा दिया। 2024/25 सीजन में अटलांटा के खिलाफ यूईएफए सुपर कप फाइनल में रियल मैड्रिड के लिए अपना पहला गोल करने के बाद से एमबाप्पे ने 2024/25 का ‘गोल्डन बूट’ और दो ‘पिचिची ट्रॉफिया’ (2024/25 और 2025/26) जीती हैं। इसके अलावा, वह पिछली चैंपियंस लीग में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी (टॉप स्कोरर) भी रहे थे।

2025 में उन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में रियल मैड्रिड के लिए सबसे अधिक गोल करने के मामले में क्रिस्टियानो रोनाल्डो के रिकॉर्ड की बराबरी की। उन्होंने 59 गोल किए। इसके अलावा, पिछले विश्व कप के दौरान फ्रांस का प्रतिनिधित्व करते हुए एमबाप्पे 22 गोल के साथ इस प्रतियोगिता के इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बने।

वेलिंगटन में कैसा है टीम इंडिया का टी20 रिकॉर्ड? कोहली की कप्तानी में सुपर ओवर में मिली थी जीत



नई दिल्ली (एजेंसी)

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का तीसरा मुकाबला आज खेला जाएगा। इस मैच की मेजबानी वेलिंगटन का हेनरी स्टेडियम करेगा। टीम इंडिया का रिकॉर्ड वेलिंगटन में बढ़िया रहा है।

वेलिंगटन के मैदान पर अब तक भारतीय टीम ने क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में कुल 4 मैच खेले हैं, जिसमें से टीम इंडिया को 2 मुकाबलों में जीत मिली है। वहीं, एक मैच में टीम को हार का सामना करना पड़ा है। एक मुकाबला बेनतीजा रहा है। भारत ने इस मैदान पर आखिरी टी20 2022

में खेला था, जो बारिश के चलते धूल गया था। हालाँकि, 2020 में दोनों टीमों के बीच इसी ग्राउंड पर हुआ टी20 मुकाबला बेहद रोमांचक रहा था। इस मुकाबले में भारतीय टीम ने सुपर ओवर में जीत दर्ज की थी। विराट कोहली की कप्तानी में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 165 रन बनाए थे। टीम की ओर से मनीष पांडे ने नाबाद 50 रनों की पारी खेली थी जबकि केएल गहलु ने 39 रन बनाए थे। न्यूजीलैंड भी निर्धारित 20 ओवर में 165 के स्कोर तक पहुंचने में सफल रही थी और मुकाबला टाई हो गया था। सुपर ओवर में न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 13 रन बनाए थे। हालाँकि, भारतीय टीम 14 रन बनाकर जीत दर्ज करने में सफल रही थी। न्यूजीलैंड ने हेनरी स्टेडियम में कुल 17 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं और कीली टीम को यहां पर 17 में जीत मिली है।

मोर्ने मोर्केल ने किया भुवनेश्वर का बचाव, बाहरी शोर को नजरअंदाज करने की दी सलाह

वेलिंगटन (एजेंसी)

भारत के बॉलिंग कोच मोर्ने मोर्केल ने सीनियर तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार का बचाव किया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले दो टी20 मैचों में भुवनेश्वर काफी महंगे साबित हुए थे, लेकिन मोर्केल का कहना है कि उन्हें बाहरी शोर के बारे में नहीं सोचना चाहिए और बस अपने स्वाभाविक खेल पर ध्यान देना चाहिए। चार साल बाद टी20 टीम में भुवनेश्वर की वापसी वैसी नहीं रही जैसी उन्होंने सोची होगी।

उन्होंने अपने कोटे के ओवरों में क्रमशः 49 और 50 रन दिए हैं। उनका इकॉनमी रेट 12.37 रहा, जो भारतीय गेंदबाजों में सबसे खराब था। मोर्केल ने बताया कि उन्होंने भुवनेश्वर को सलाह दी है कि वे किसी चीज के पीछे न भागें और उम्मीदों के दबाव को पूरी तरह से भूल जाएं। मंगलवार को



होने वाले तीसरे टी20 मैच से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मोर्केल ने कहा, ‘भुवनेश्वर की वापसी को लेकर मुझे काफी सहायपूर्ति है। ऐसा इसलिए है क्योंकि चार साल बाद वापसी करने पर लोगों की उम्मीदें होना स्वाभाविक है। उन्होंने आईपीएल में बहुत अच्छ प्रदर्शन किया है और शानदार गेंदबाजी की है। सबसे पहली बात तो यह है कि उन्हें उम्मीदों के दबाव को नजरअंदाज कर देना चाहिए। उन्होंने

आगे कहा, दूसरी बात, उनके चयन से पहले उन्होंने एक महीने तक ट्रेनिंग तो की, लेकिन इंटरनेशनल क्रिकेट का स्तर बिल्कुल अलग होता है, जहां छोटी-छोटी गलतियों का भी बड़ा असर पड़ता है। शेड्यूल की वजह से उन्हें बहुत कम ट्रेनिंग के साथ ही खुद को तैयार करना पड़ा। इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी से पहले 36 वर्षीय भुवनेश्वर ने आखिरी बार नवंबर

2022 में एडिलेड ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। पिछले दो सीजन में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शानदार प्रदर्शन की बदौलत इस अनुभवी तेज गेंदबाज ने नेशनल टीम में अपनी जगह फिर से बनाई।

भुवनेश्वर ने पिछले दो आईपीएल सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए कुल 45 विकेट लिए और टीम को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई। नई गेंद के साथ लगातार अच्छ प्रदर्शन करने और अपने भरपूर अनुभव के दम पर उन्हें भारत की टी20 टीम में एक और मौका मिला है। मोर्केल ने कहा, उनके पास कौशल और अनुभव - सब कुछ है। मगर अंत में हमें क्रिकेट के खेल का सम्मान करना चाहिए और उन्हें कुछ मैचों में खुद को ढालने का समय देना चाहिए।

तीसरे टी20 में अजेय बढ़त हासिल करने के इरादे से उतरेगी टीम इंडिया

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का तीसरा मुकाबला आज वेलिंगटन के हेनरी स्टेडियम में खेला जाना है। भारतीय टीम सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। वहीं, न्यूजीलैंड को सीरीज में पहली जीत की तलाश होगी। भारतीय टीम का प्रदर्शन अब तक खेले गए दो टी20 मैचों में शानदार रहा है।

दूसरे टी20 में टीम इंडिया ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराया था। टीम का बल्लेबाजी क्रम अच्छे लय में दिखाई दिया है। संजू सैमसन ने पहले टी20 में धमकादार पारी खेली थी। हालाँकि, अभिषेक अच्छे शुरुआत का फायदा उठाने में जरूर नाकाम रहे हैं। कप्तान श्रेयस अय्यर इस सीरीज में अच्छी फॉर्म में दिखाई दिए हैं। तिलक वर्मा ने दूसरे टी20 में अपनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के दम पर मैच का रुख पलटा था। वहीं, नमन धीर का प्रदर्शन



बतौर फिनिशर दोनों ही टी20 मुकाबलों में दमदार रहा है। दूसरे टी20 में नमन ने सिर्फ 17 गेंदों में 31 रनों की बेहतरीन पारी खेली थी। नीतीश कुमार रेड्डी ने सिर्फ 13 गेंदों में नाबाद 26 रन बनाते हुए टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह और प्रिंस यादव दूसरे टी20 में अच्छे लय में नजर आए थे। अर्शदीप ने दो विकेट चटकाए थे, जबकि प्रिंस किफायती साबित हुए थे। दूसरी ओर, न्यूजीलैंड की ओर से र्लेन फिलिप्स ने अब तक खेले गए दोनों ही टी20 मुकाबलों में

शानदार प्रदर्शन किया है। पहले टी20 में नाबाद 82 रन बनाने के बाद उन्होंने दूसरे मुकाबले में 70 रनों की बेहतरीन पारी खेली थी।

बेवन जैकब्स ने भी दूसरे टी20 में 58 रन बनाए थे। हालाँकि, टिम सीफर्ट अब तक अच्छे शुरुआत को बड़ी पारी में तब्दील करने में नाकाम रहे हैं। न्यूजीलैंड के लिए इस सीरीज में तेज गेंदबाजी चिंता का विषय जरूर रही है। मैट हेनरी और लॉकी फर्ग्युसन का तीसरे टी20 में खेलना मुश्किल है। जैकब डफी ने दूसरे टी20 में 3.5 ओवर के स्पेल में बिना कोई विकेट

चटकाए 41 रन दिए थे। कप्तान मिचेल सैटनर जरूर बढ़िया फॉर्म में दिखाई दिए हैं और उन्होंने दूसरे टी20 में 4 ओवर के स्पेल में 21 रन देकर 4 विकेट निकाले थे। भारत और न्यूजीलैंड के बीच अब तक कुल 33 टी20 मुकाबले खेले गए गए हैं, जिनमें से भारतीय टीम ने 21 मुकाबलों में जीत दर्ज की है, जबकि न्यूजीलैंड को 11 मैचों में जीत नसीब हुई है। वेलिंगटन के हेनरी स्टेडियम की पिच को बल्लेबाजों के लिए मददगार माना जाता है।

पिच पर अच्छा बाउंस देखने को मिलता है, जिसके चलते गेंद बल्ले पर आसानी से आती है। हालाँकि, पिच से तेज गेंदबाजों को भी काफी मदद मिलती है। खासतौर पर शुरुआती ओवरों में गेंद काफी स्विंग करती है। वेलिंगटन में मंगलवार को सुबह के समय बारिश होने की आशंका है। इसके साथ ही तेज हवा के साथ बादल छाप रहने की उम्मीद है, जिसका फायदा तेज गेंदबाजों को मिल सकता है।

टीम इंडिया को झटका, न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 से भी बाहर हुए ईशान किशन

न्यूजीलैंड के खिलाफ आज होने वाले तीसरे टी20 मुकाबले से पहले टीम इंडिया को बड़ा झटका लगा है। इंजरी के चलते दूसरा टी20 मिस करने के बाद ईशान किशन तीसरे टी20 में भी नहीं खेल पाएंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ईशान किशन के तीसरे टी20 से बाहर होने की जानकारी दी है। बीसीसीआई ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ‘ईशान किशन अपनी दाहिनी जांच की हल्की चोट (लो-ग्रेड एक्चर स्ट्रेन) से अच्छी तरह उबर रहे हैं। उन्हें यह चोट न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के पहले टी20 इंटरनेशनल मैच के दौरान लगी थी। वह अभी तक मैच खेलने के लिए पूरी तरह फिट नहीं हुए हैं, इसलिए 27 अक्टूबर 2026 को वेलिंगटन में होने वाले तीसरे टी20 मैच से वह बाहर रहेंगे। बीसीसीआई की मेडिकल



टीम ईशान की रिकवरी पर नजर रख रही है। कुमार कुशाग्र तीसरे टी20 मैच के लिए भी टीम के साथ बने रहेंगे।’ गौरतलब है कि ईशान किशन की जगह दूसरे टी20 में वैभव सूर्यवंशी को प्लेड्रा इलेवन में शामिल किया गया था। वैभव को नंबर तीन पर बल्लेबाजी के लिए उतारा गया था, लेकिन उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था। वैभव 8 गेंदों का सामना करने के बाद सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हो गए थे। हालाँकि, ईशान की गैरमौजूदगी में 15 वर्षीय वैभव को ही तीसरे टी20 में भी प्लेड्रा इलेवन में मौका मिल सकता है।

इरफान पठान : टेस्ट क्रिकेट में हैट्रिक लेने वाले पहले तेज गेंदबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान ने अपने इंटरनेशनल करियर में कई बड़े मुकाम हासिल किए। इरफान भारत की ओर से टेस्ट क्रिकेट में हैट्रिक लेने वाले पहले तेज गेंदबाज बने। इरफान पठान का जन्म 27 अक्टूबर 1984 को गुजरात के वडोदरा में हुआ। इरफान के परिवार की आर्थिक स्थिति कोई बहुत अच्छी नहीं थी और पिता मस्जिद में मुअज्जिन थे। हालाँकि, इरफान को क्रिकेट के खेल से बचपन से ही लगाव था। बड़े भाई यूसुफ पठान के साथ मिलकर वह मस्जिद के पास ही मौजूद मैदान पर खूब क्रिकेट खेला करते थे। इरफान का



सिलेक्शन जल्द ही भारत की अंडर-15 टीम में हुआ। यहां उन्होंने अपनी गेंदबाजी से हर किसी को खासा प्रभावित किया। जल्द ही उन्होंने अंडर-19 टीम में भी जगह बना ली।

घरेलू क्रिकेट में भी इरफान ने अपनी स्विंग के दम पर खूब नाम कमाया और सिलेक्शन की निगाहों में आ गए। इरफान को टीम इंडिया के लिए अपना डेब्यू करने का मौका

ऑस्ट्रेलिया की सखमीं पर मिला। टेस्ट क्रिकेट के अपने पहले मैच में इरफान थले ही कुछ खास नहीं कर पाए, लेकिन इसके बाद उन्होंने लगातार दमदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की कर ली। इरफान ने अपना वनडे डेब्यू साल 2004 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ही किया। इरफान के करियर का सबसे बड़ा पल साल 2006 में आया, जब उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए टेस्ट मैच में लगातार तीन गेंदों पर 3 विकेट लेकर हैट्रिक पूरी की। वह यह कारनामा करने वाले पहले भारतीय तेज गेंदबाज बने। गेंदबाजी के साथ-साथ इरफान ने जल्द ही अपनी बल्लेबाजी से भी अहम योगदान देना शुरू कर

दिया। टी20 विश्व कप 2007 में इरफान गेंदबाजी में भारतीय टीम के लिए ट्रप कार्ड साबित हुए। उन्होंने फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ 4 ओवर के स्पेल में सिर्फ 16 रन देकर 3 विकेट निकाले और भारतीय टीम को पहली बार वर्ल्ड चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई। इरफान ने भारत की ओर से 29 टेस्ट मैचों में 100 विकेट लेने के साथ-साथ बल्लेबाजी में 1105 रन भी बनाए। 120 वनडे मैचों के अपने करियर में इरफान ने 173 विकेट निकाले और 1,544 रन भी बनाए। क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में इरफान ने खेले 24 मुकामलों में इरफान ने 28 विकेट लेने के साथ-साथ 172 रन बनाए।

अहमदाबाद में 2029 में होगी भारोत्तोलन विश्व चैंपियनशिप, आईडब्ल्यूएफ का एलान

नई दिल्ली (एजेंसी)

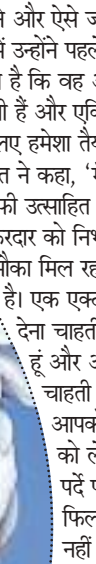
गुजरात का अहमदाबाद शहर वर्ष 2029 में सीनियर भारोत्तोलन विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा। अंतरराष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएफ) ने रविवार को चीन के निम्बो में आयोजित कार्यकारी बोर्ड की बैठक के बाद इसकी आधिकारिक घोषणा की। इस आयोजन के साथ ही भारत पहली बार सीनियर भारोत्तोलन विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा। अंतरराष्ट्रीय भारोत्तोलन महासंघ ने अपनी कार्यकारी बोर्ड की बैठक में वर्ष 2029 और 2030 की सीनियर



विश्व चैंपियनशिप के मेजबान शहरों का चयन किया। इसके तहत 2029 की प्रतियोगिता अहमदाबाद में आयोजित होगी, जबकि वर्ष 2030 की मेजबानी रूस की राजधानी मॉस्को को सौंपी गई है। इसके अलावा, बोर्ड ने वर्ष 2028 की विश्व युवा भारोत्तोलन चैंपियनशिप की मेजबानी कोसोवो की राजधानी प्रिश्तिना और विश्व जूनियर

चैंपियनशिप की मेजबानी वेनेजुएला की राजधानी काराकास को देने का फैसला किया। अहमदाबाद को सीनियर भारोत्तोलन विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी मिलना भारतीय खेल जगत के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। आईडब्ल्यूएफ के महासचिव जोस क्विनेजस ने कहा कि महासंघ को मिले सभी मेजबानी प्रस्ताव उत्कृष्ट थे और उन्हें विश्वास है कि संबंधित देशों में होने वाली प्रतियोगिताएं सफल रहेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि कोसोवो, वेनेजुएला और भारत पहली बार आईडब्ल्यूएफ की विश्व स्तरीय प्रतियोगिताओं की मेजबानी करेंगे।

निमृत कौर अहलूवालिया नए प्रोजेक्ट के लिए उत्साहित, गुजरात में शुरू करेंगी शूटिंग



एक्ट्रेस निमृत कौर अहलूवालिया इन दिनों अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा में हैं। वह इसकी शूटिंग के लिए प्रोजेक्ट पहुँच चुकी हैं। निमृत इस प्रोजेक्ट को लेकर काफी उत्साहित हैं, क्योंकि इसके जरिए उन्हें एक नए किरदार को निभाने और ऐसे जानने में काम करने का मौका मिलेगा, जिसमें उन्होंने पहले कभी हाथ नहीं आयाजमा है। एक्ट्रेस का कहना है कि वह अपने काम के जरिए खुद को चुनौती देना चाहती हैं और एक्टिंग के नए पहलुओं को एक्सप्लोर करने के लिए हमेशा तैयार रहती हैं। अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर निमृत ने कहा, 'मैं इस नए प्रोजेक्ट को शुरू करने के लिए काफी उत्साहित हूँ। इसके जरिए मुझे एक बिबिकुल नए किरदार को निभाने और ऐसे जानने में काम करने का मौका मिल रहा है, जिसे मैंने पहले एक्सप्लोर नहीं किया है। एक एक्टर के तौर पर मैं हमेशा खुद को चुनौती देना चाहती हूँ, अपनी सीमाओं से आगे बढ़ना चाहती हूँ और अपनी एक्टिंग के नए पहलुओं को जानना चाहती हूँ।' उन्होंने आगे कहा, 'हर प्रोजेक्ट आपको कुछ नया सिखाता है। मैं इस नए सफर को लेकर उत्साहित हूँ और अपने किरदार को पढ़े पर जीवंत करने का इंतजार कर रही हूँ। फिलहाल मैं इस प्रोजेक्ट के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बता सकती, लेकिन मैं चाहती हूँ कि दर्शक जल्द ही देखें कि हम क्या लेकर आ रहे हैं।' सूत्रों के मुताबिक, निमृत अपने नए प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू करने के लिए गुजरात पहुँच गईं। हालाँकि, इस प्रोजेक्ट की कहानी, किरदार और बाकी डिटेल्स को फिलहाल सिक्रेट रखा गया है। एक्ट्रेस की हालिया सोशल मीडिया पोस्ट के बाद से ही उनके नए प्रोजेक्ट को लेकर फैंस के बीच उत्सुकता बढ़ गई है। सभी को इसकी आधिकारिक घोषणा का इंतजार है। निमृत के करीबी एक सूत्र ने बताया, निमृत अपने पहले प्रोजेक्ट को लेकर काफी फोकस्ड हैं। वह लगातार वर्कशॉप के साथ-साथ अपने किरदारों की तैयारी में भी जुटी हुई थीं। फिलहाल प्रोजेक्ट से जानकारीयें सामने नहीं आई हैं। सही समय आने पर घोषणा की जाएगी। (एजेंसी)

फिल्म 'ओम' में साई पल्लवी के किरदार का खुलासा, निभा रहीं नित्या रेड्डी का किरदार

निदेशक राजकुमार परियासामी की बहुचर्चित फिल्म एक्शन थ्रिलर फिल्म "आम" सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म में तमिल स्टार धनुष और ममयालम सुपरस्टार ममूटी लीड रोल में नजर आएंगे। इसी बीच मेकर्स ने फैसला का इंतजार खत्म करते हुए अभिनेता साईं पद्विनी के किटार का खुलासा कर दिया है। हार्लॉक एट्रेंस का फर्स्ट लुक सोमवार शाम को रिलीज किया जाएगा। मेकर्स ने पहले ही बता दिया है कि वह फिल्म में एक पुलिस ऑफिसर के रोल में नजर आएंगे। फिल्म को प्रोड्यूसर कर रही प्रोडक्शन कंपनी वडवाफिल्म्स ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर डायरेक्टर राजकुमार परियासामी से मजाकिया अंदाज में पूछा, सर, सब लोग पूछ रहे हैं कि साईं पद्विनी को इलक क्या आएगी, बता दें क्या सर, राजकुमार केपी? इस खूबी का जवाब देते हुए डायरेक्टर राजकुमार परियासामी ने कहा, बेइजिड बता सकते हैं। आज, 26 अक्टूबर को शाम 6 बजे फिल्म में अभिनेत्री साईं पद्विनी निया रेड्डी का किटार निभाएंगी। बॉलीवुड स्टार नसीरुद्दीन शाह भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म के टायटल के साथ 'चैप्टर 1' की टायलानट है, जिससे संकेत मिलता है कि इसका सीक्वल भी आ सकता है। कुछ समय पहले मेकर्स द्वारा रिलीज किए गए टायलेंट टीजर से पता

चला था कि कहानी लाल चंदन काकड़ जमीनी यापन करने वालों के इर्द-गिर्द घूमती है। धनुष खुद फिल्म में एक लकड़हारे की भूमिका में है। ठीक से दिखाया गया था कि पुलिसकर्मों अवैध रूप से लाल चंदन काट रहे लकड़हारे को पकड़ रहे हैं। जैसे ही वे बंदूक की नोक पर मजदूरों को बांधक बनाते हैं, धनुष उन्हें बचाने के लिए आता हुआ दिखाई देता है। फिल्म इस साल 20 नवंबर को सिनेमागारों में रिलीज होने वाली है। बता दें कि मेकर्स ने पहली फिल्म को 16 अक्टूबर को रिलीज करने का प्लान बनाया था। हालांकि, एक्टर धनुष ने एक बयान में फिल्म की रिलीज टाईम की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि उन्होंने सुपरस्टार रजनीकांत के सम्मान में फिल्म की रिलीज को टायने का फैसला किया है, रजनीकांत की फिल्म 'जेटर 2' 15 अक्टूबर को रिलीज हुई है। धनुष ने यह भी साफ किया है कि उनकी फिल्म दिवाली पर री रिलीज नहीं होगी क्योंकि उसी डे पर सूखी को रिलीज पहले से आनाइय हो चुकी है। इसके बाद एक्टर और प्रोड्यूसर ने फिल्म की नई रिलीज डेट 20 नवंबर घोषित की। फिल्म को लेकर फैंस और सिनेमा लवर्स में जबरदस्त उत्साह है क्योंकि यह पहली बार है जब धनुष और मांसी किसी प्रोजेक्ट में साथ काम कर रहे हैं। (एजेंसी)



बर्थडे स्पेशल : रवीना टंडन ने 21 साल की उम्र में उठाई दो बच्चियों की जिम्मेदारी



बॉलीवुड में रवीना टंडन को उनकी फिल्मों, शानदार एक्टिंग और 90 के दशक में उन्होंने एक के बाद एक सफल फिल्मों में काम किया और देखते ही देखते बड़ी स्टार बन गईं। लेकिन उनकी जिंदगी की एक ऐसी कहानी भी है, जो उन्हीं एक एक्ट्रेस से आगे ले जाती है। जब वह अपने करियर की शुरुआत कर रही थीं, तब महज 21 साल की उस में उन्होंने दो बच्चियों की जिम्मेदारी उठने का फैसला किया। उस समय उनकी शादी भी नहीं हुई थी। रवीना ने पूजा और छाया को अपने साथ रखा और उनकी पवर्श्री की जिम्मेदारी संभाली।

उस दौर में उनके इस फैसले को लेकर कब स्वागत भी उस, लेकिन उन्होंने अपने फैसले से पीछे हटने के बजाय बचियोगे को बेहतर जिंदगी देने पर ध्यान दिया। रवीना टंडन का जन्म 26 अक्टूबर 1972 को मुंबई में हुआ था। उनके पिता रवि टंडन हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के जाने-माने निर्देशक थे। घर में फिल्मों का माहौल तबों के कारण रवीना को बचपन से ही फिल्मी दुनिया को करीब से देखने का मौका मिला। हालाँकि, उन्होंने फिल्मों में आने के बाद अपनी मेहनत से पहचान बनाई। रवीना ने 1991 में फिल्म 'पथर के फूल' से बॉलीवुड में कदम रखा। इस

फिल्म में उनके साथ सलमान खान नजर आए थे। फिल्म में उनके काम को पसंद किया गया और उन्हें बेस्ट फोमल डेब्यू के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार भी मिला। इसके बाद उन्होंने 'दिलवाले', 'मोहरा', 'लाला लाल' और 'अदजान अपना अपना' जैसी फिल्मों में काम किया। वह 90 के दशक में हिंदी फिल्मों की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शामिल हो गईं। 1994 में आई फिल्म 'मोहरा' उनका करियर की बड़ी फिल्मों में से एक साबित हुई। फिल्म के गाने 'तू चीज बड़ी है मस्त-मस्त' काफी लोकप्रिय हुई। खासकर 'टिप टिप टिप' में उनके साथ सलमान खान नजर आए थे। फिल्म में उनके काम को पसंद किया गया और उन्हें बेस्ट फोमल डेब्यू के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार भी मिला। इसके बाद उन्होंने 'दिलवाले', 'मोहरा', 'लाला लाल' और 'अदजान अपना अपना' जैसी फिल्मों में काम किया। वह 90 के दशक में हिंदी फिल्मों की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शामिल हो गईं। 1994 में आई फिल्म 'मोहरा' उनका करियर की बड़ी फिल्मों में से एक साबित हुई। फिल्म के गाने 'तू चीज बड़ी है मस्त-मस्त' काफी लोकप्रिय हुई। खासकर 'टिप टिप टिप' में उनके साथ सलमान खान नजर आए थे।

बक्सा पानी" में उनके डांस को आज भी याद किया जाता है। इसी दौरान उनकी जिंदगी में एक बड़ा बदलाव आया। रवीना ने 1995 में अपनी रश्मिका को बेंगलूरों पूजा और खेड़ा की जिम्मेदारियों से हटा फैंसल किया। रवीना ने कई इंटरव्यू में बताया कि वह बचपन से ही अपनी मां के साथ आनाथालयों में जाती थीं और जल्दतरफ बच्चों की मदद करने वाले कामों को करीब से देखती थीं। जहां उन्होंने अपनी रिश्तेदार की दोनो बच्चियों को ऐसी स्थिति में देखा, जहां उन्हें बेहतर देखभाल की जरूरत थी, तो उन्होंने उन्हें अपने साथ रखने का फैसला किया। (एजेंसी)

भारत-नीदरलैंड्स आर्थिक रिश्तों को नई मजबूती, व्यापार और निवेश बढ़ाने पर जोर : पीयूष गोयल

नई दिल्ली (एजेंसी)

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने नीदरलैंड्स के साथ व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग को और मजबूत बनाने की भावना की प्रतिबद्धता दोहराई है। अपनी नीदरलैंड्स यात्रा के दौरान उन्होंने समुद्री परिवहन, लॉजिस्टिक्स, सफ्टवेयर चैन और भारतीय समुदाय से जुड़े कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया तथा दोनों देशों के बीच नई आर्थिक संभावनाओं पर चर्चा की।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, अपनी यात्रा के दौरान गोयल ने यूरोप के सबसे बड़े बंदरगाह पोर्ट ऑफ रॉटरडैम का दौरा किया, जहां उनके साथ बंदरगाह के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बोडेवाइन सीमोंस भी मौजूद थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रॉटरडैम



यूरोपीय बाजारों तक भारतीय उत्पादों को पहुँच का एक महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार है और वैश्विक व्यापार तथा आपूर्ति शृंखलाओं में इसकी रणनीतिक भूमिका बेहद अहम है। गोयल ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच पोर्ट-आधारित विकास, लॉजिस्टिक्स दक्षता में सुधार, स्पलाई चैन कनेक्टिविटी को मजबूत करना और व्यापार एवं निवेश के नए अवसरों को बढ़ावा देने पर

विचारों का आदान-प्रदान हुआ। उन्होंने कहा कि भारत अपने बंदरगाहों के आधुनिकीकरण और विश्वस्तरीय समुद्री अवसंरचना के विकास में तेजी से काम कर रहा है तथा इस क्षेत्र में नीदरलैंड्स की विशेषज्ञता भारत के लिए काफी उपयोगी हो सकती है। उन्होंने कहा कि भारत और नीदरलैंड्स के बीच समुद्री क्षेत्र में सहयोग बढ़ने की अपार संभावनाएँ हैं, विशेष

ग्रोथ अनुमान घटाने से श्रीराम फाइनेंस के शेयरों में 6 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट

नई दिल्ली (एजेंसी)

सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को एनबीएफएस की कंपनी श्रीराम फाइनेंस के शेयरों में जोरदार बिकवाली देखी। कंपनी को मिली। कंपनी द्वारा अग्रण वृद्धि (लोन ग्रोथ) के अनुमान में कटौती और फ्रेडिट लागत बढ़ती की आशंका जताने के बाद निवेशकों ने अशांका दूरी बनाई, जिसके चलते यह निम्न की। सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला शेयर बन गया। दिन के कारोबार का शेयर कंपनी का शेयर 6.33 प्रतिशत तक टूटकर 810.20 रुपए के इन्ट्र-डे निचले स्तर पर पहुंच गया। दोपहर



करीब 12:10 बजे यह स्टॉक 5.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ 821.20 रुपए पर कारोबार करता नजर आया। शेयर में गिरावट ऐसे समय आई है जब कंपनी ने दूसरी तिमाही में उम्मीद से बेहतर मुनाफा दर्ज किया है।

हालांकि निवेशकों का ध्यान कंपनी के भविष्य के आउटलुक पर रहा। श्रीराम फाइनेंस ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अपने एसेट्स

अख मैनेजमेंट (एग्यूम) वित्त
अनुमान को 18 प्रतिशत से घटाने
का 15-17 प्रतिशत कर दिया है। हम
ने इसके पीछे कमजोर मानसून, भू-
राजनीतिक अस्थिरताओं और
सूखा प्रभावित क्षेत्रों में कर्जदारों पर
बढ़ते वित्तीय दबाव को प्रमुख कारक
बताया है। विश्लेषकों का कहना है कि
कंपनी की परिसंपत्ति गुणवत्ता (एसे
क्वालिटी) को लेकर चिन्ता नहीं है।
है। वैश्विक ब्रोकेज जैफ़रीज ने
अनुसार महाराष्ट्र, कर्नाटक और
तेरंगाना जैसे राज्यों में दबाव पर
कराग आले एक-दो तिमाही में
क्रैडिट उलट ऊंची बनी रह सकती है।

सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुआ ईएए इंडिया अल्टरनेटिव्स का आईपीओ

नई दिल्ली (एजेंसी)

रियल एसेट्स और प्राइवेट क्रेडिट मार्केट्स पर केंद्रित अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट प्लेटफॉर्म के रूप में फंड मैनेज करने और वैश्विक व घरेलू संस्थागत निवेशकों एचएनआई और फैमिली ऑफिस को इनवेस्टमेंट सॉल्यूशन देने वाले

कंपनी इएएफ इंडिया अल्टरनाटिव लिमिटेड का 1,200 करोड़ रुप का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया।

इस आईपीओ में निवेशक 2 अक्टूबर तक बोली लगा सकते हैं। कंपनी ने आईपीओ लॉन्च होने पहले 23 अक्टूबर को एंकर निवेशकों से 360 करोड़ रुपये जुटाए थे। इस



की क्लोजिंग के बाद 29 अक्टूबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा जबकि 30 अक्टूबर को अलॉटमेंट शेयर सफल निवेशकों के डीमै अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। इसी दिन जिन निवेशकों को शेयर का अलॉटमेंट नहीं हुआ होगा, उनके लिए

रिफंड की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी। कंपनी के शेयर 2 नवंबर को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोलती लगाने के लिए 1,585 रुपये लेकर 1,665 रुपये प्रति शेयर का

प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 9 शेयरों का है। रिटर्न इंवेस्टर्स इस इश्यू में कम से कम एक लॉट यानी 9 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,98 रुपये का निवेश करना होगा। रिटर्न निवेशक अधिकतम 13 लॉट में 11 शेयर के लिए 1,94,805 रुपये तक की बोली लगा सकते हैं।

इस आईपीओ के तहत 5 रुफेंस वैल्यू वाले कुल 72,07,20,000 शेयर जारी किए जा रहे हैं। यह पेश्य पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) पर आधारित है, या इसके तहत कोई भी फ्रेश शेयरज नहीं किया जा रहा है। आईपीओ जिनके जुटाई गई पूरी रकम बेचने वा प्रमोटर और शेयरहोल्डर एडेलवा

सिक्कीमोटीज एंड इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के पास जाएगा। इस आईपीओ में क्वालिफाइंग इन्स्टीयूशनल बायर्स (क्वाआईबी) के लिए 50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिजर्व इन्वेस्टमेंट के लिए 35 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इन्स्टीयूशनल इन्वेस्टमेंट्स (एनआईआई) के लिए 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस प्रो इश्ये के लिए एक्सिस कैपिटल लिमिटेड, जेएनई इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, मोतीलाल ओसावाल इन्वेस्टमेंट एंजल्स जॉइंट लिमिटेड और नुवामा वेल्थ मैनेजर्स लिमिटेड को कुल रॉटिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि एमएयूएफ इन्वेंचर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है।